तापमान
अधिकतम 28.6 डिग्री
न्यूनतम 11.8 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, बुधवार 18 दिसंबर 2024

13 अंतर्राज्यीय बस स्टैंड में एजेंटों की बढ़ी गुंडागर्दी, सवारी बैठाने...

14 नॉन ट्रेड 40 और खुले बाजार का सीमेंट 20 रुपए महंगा

महाकुंभ का स्नान हुआ महंगा, हवाई रास्ते से प्रयागराज पहुंचने देना होगा तीन गुना ज्यादा किराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सामान्य दिनों में पांच से छह हजार रुपए खर्च कर रायपुर से प्रयागराज का सफर करने वाले यात्रियों को कुंभ मेले के दौरान दो से तीन गुना अधिक किराया देना होगा। 13 जनवरी को प्रथम स्नान के एक दिन पहले का किराया 16 हजार रुपए तक पहुंच चुका है। इसी तरह 26 फरवरी तक इस आयोजन के दौरान हवाई सफर के लिए ज्यादा किराया देना होगा।

13 से 26 फरवरी तक होने वाले महाकुंभ का आयोजन इस बार प्रयागराज में किया जा रहा है। कुंभ मेला में काफी भीड़ उमड़ने की संभावना है और इसमें शामिल होने तथा पुण्य स्नान करने छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में लोगों के प्रयागराज जाने की उम्मीद है। इसका असर अभी से रायपुर से प्रयागराज के बीच नियमित रूप से चलने वाली फ्लाइट पर दिखने लगा है। सामान्य दिनों में रायपुर से प्रयागराज का एयर टिकट 5 से 6 हजार रुपए में आसानी से मिल जाता है, मगर कुंभ मेला अवधि में सफर के लिए यात्रियों को काफी अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार 11 जनवरी को रायपुर से प्रयागराज का टिकट अभी से 16 हजार से करीब पहुंच चुका है और 12 जनवरी को इसके लिए 17 हजार तक देने पड़ रहे हैं। अन्य दिनों का फेयर भी नौ हजार से नीचे नहीं है। जैसे-जैसे महाकुंभ की तारीख नजदीक आएगी, इसका किराया और बढ़ता जाएगा।

13 जनवरी को प्रथम स्नान, एक दिन पहले का किराया 16 हजार से ज्यादा

अलग खबर

छुट्टियों का भी असर

राज्य के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 23 दिसंबर से शुरू होने वाला है। ठंड की छुट्टियां बिताने लोग गर्म प्रदेशों की ओर जाएंगे। इसके अलावा पर्यटन स्थलों की डिमांड भी बढ़ेगी। माना जा रहा है कि अवकाश की वजह से भी विभिन्न शहरों के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट का किराया भी अंतिम सप्ताह में सामान्य से अधिक हो जाएगा।

अगले माह से बढ़ेगी उड़ानों की संख्या

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से अभी नियमित रूप से 25 से 26 उड़ानों का संचालन किया जाता है। अगले माह से इनकी संख्या बढ़ जाएगी। रायपुर हैदराबाद के बीच दो फ्लाइट की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, वहीं कुछ नए शहरों के लिए भी उड़ान शुरू होने की उम्मीद है। इनमें रायपुर से विशाखापट्टनम को जोड़ने वाली फ्लाइट को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खबर संक्षेप

एसपी लाल उम्मेद ने आरक्षक को किया निलंबित

रायपुर। बदमाश के जन्मदिन पर उसके हाथों चाकू से केक खाते हुए वीडियो वायरल होने के बाद आरक्षक को एसपी ने निलंबित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, आरक्षक निसार खान का वीडियो सोमवार को वायरल हुआ था, जिसमें बदमाश सुहैल रक्सेल के जन्मदिन पर वह चाकू के केक काटकर आरक्षक को खिलाते दिख रहा है। एसपी लाल उम्मेद सिंह ने इसे आचरण के विपरीत मानते हुए आरक्षक को निलंबित करने का आदेश मंगलवार को जारी किया है।

डीएमएफ घोटाला केस की सुनवाई अब 28 जनवरी को

रायपुर। डीएमएफ घोटाला केस में मंगलवार को ईडी के स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई। इस केस में निलंबित आईएएस रानू साहू, माया वरियर एवं मनोज द्विवेदी को जेल भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार इस केस में अब 28 जनवरी को सुनवाई होगी। इस दौरान विशेष लोक अभियोजक द्वारा परिवाद पत्र पेश किया गया था, जिसमें 16 अन्य लोगों को आरोपी बनाए जाने की अपील की गई थी, जिसे कोर्ट ने संज्ञान में लिया है। इधर ईओडब्लू स्पेशल कोर्ट में आय से अधिक संपत्ति केस में आरोपी बनाई गई सौम्या चौरसिया की रिमांड पेशी अब 30 दिसंबर और कस्टम मिलिंग घोटाला केस में जेल में बंद मार्कफेड के निलंबित एमडी मनोज सोनी और राइस मिल एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर के केस की सुनवाई 31 दिसंबर को होगी। विदित हो कि इस केस में मनोज सोनी की ओर से जमानत के लिए अर्जी लगाई गई है, जिस पर सुनवाई 20 दिसंबर को होगी।

सूने मकान में धावा जेवरात किए चोरी

रायपुर। डब्ल्यूआरएस कॉलोनी खमतराई स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। घटना 13 दिसंबर को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच की है। प्रार्थी राजेश महतो निवासी डब्ल्यूआरएस कॉलोनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि घटना के दौरान अज्ञात चोर उसके सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखे सोने-चांदी का जेवर जोरी कर ले गया। पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है।

हरिभूमि पहुंचा कॉलेज, ज्यादातर जगहों पर क्लास शुरू ही नहीं सकी, कुछ ने किया ऑनलाइन क्लास का दावा

सिर पर परीक्षा, घर पर प्राइवेट परीक्षार्थी... कॉलेजों में नहीं लगी इनके लिए क्लास, कहीं जगह नहीं, कहीं हवा-हवाई

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

पूरे भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई गई ताकि पढ़ाई का स्तर सुधर सके। इसके अंतर्गत कई तरह के नए नियम भी लाए गए। इसमें से एक नियम प्राइवेट छात्रों के लिए एक माह तक नियमित कक्षाओं का संचालन का भी था। छत्तीसगढ़ के सभी महाविद्यालयों में मौजूदा सत्र से ही उक्त नियम का परिपालन करने निर्देश जारी किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। शहर के आधे से अधिक महाविद्यालयों में प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए कक्षाओं का संचालन ही नहीं हो रहा है। कई कॉलेज ऑनलाइन मोड में कक्षाएं ले रहे हैं तो कई में किसी तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है। कई कॉलेजों का हाल तो इतना बेहाल है कि वहां कक्षाओं की जानकारी देने वाला ही कोई नहीं मिला।

हरिभूमि लाइव

असाइनमेंट पर मिलेंगे 30 अंक

आंतरिक मूल्यांकन के लिए 30 अंक निर्धारित हैं। एनईपी के तहत प्राइवेट छात्रों को भी असाइनमेंट जमा करने होंगे। असाइनमेंट और टेस्ट के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन होगा। महाविद्यालय कक्षाएं ना लेकर सीधे असाइमेंट दे रहे हैं अथवा टेस्ट के लिए बुला रहे हैं।

⏭ शेष पेज 14 पर

■ रविवि ने नहीं बनाया मॉनिटरिंग सिस्टम, इसलिए भी मनमानी

■ 15 जनवरी से प्रारंभ हो रही है स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं

देवेंद्र नगर कन्या महाविद्यालय

रिपोर्टर- सर, मेरी बहन ने प्राइवेट फॉर्म भरा है। प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए कक्षाएं लग रही हैं क्या?
कार्यालयीन-कर्मचारी अभी नहीं लग रही हैं। अब तो आंतरिक मूल्यांकन भी हो गया है।
रिपोर्टर- आंतरिक मूल्यांकन के पहले कक्षाएं लगती थी क्या?
कार्यालयीन-कर्मचारी नहीं लगती थी।
रिपोर्टर- कभी भी कोई क्लास नहीं हुई?
कार्यालयीन-कर्मचारी अभी कॉलेज में फंक्शन चल रहा है। आप दो दिन बाद आकर मैडम से बात कर लेना। ज्यादा नहीं बता सकता।

दुर्गा महाविद्यालय

रिपोर्टर- सर प्राइवेट छात्रों की कक्षाएं शुरू हो गई हैं?
स्टाफ- आपने कौन से क्लास के लिए फॉर्म भरा है?
रिपोर्टर- बीए फर्स्ट ईयर।
स्टाफ- ऑनलाइन कक्षाएं चल रही हैं। व्हॉट्सऐप ग्रुप बना हुआ है। सबका नंबर जोड़ा गया है। प्रायोगिक परीक्षाओं और आंतरिक मूल्यांकन की जानकारी भी इसमें दी जा रही है। यदि सिलेबस में कोई दिक्कत है तो हम अभी हल कर देंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत परीक्षा पूर्व एक माह ऑफलाइन संचालित की जानी थी प्राइवेट छात्रों की कक्षाएं

नियमित कक्षाएं

प्रोफेसर्स सुबह 10:30 से 4:30 तक रेगुलर स्टूडेंट्स की कक्षाएं लेते हैं। इसके पहले सुबह 7 से 10 बजे तक तथा शाम को 5 से 8 बजे तक ओवरटाइम करते हुए स्वाध्यायी छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे हैं। प्रायोगिक क्लास ऑफलाइन ही हो रही है।

- **डॉ. प्रीतिभा मुखर्जी,** प्राचार्य, दुर्गा कॉलेज

काउंसिलिंग के बाद 90% उपस्थिति

हमने प्राइवेट स्टूडेंट्स की काउंसिलिंग की थी। इसके बाद 90% तक छात्र आ रहे हैं। हाइब्रिड मोड से अब ऑफलाइन में शिफ्ट हो रहे हैं।

- **डॉ.देवाशीष मुखर्जी,** प्राचार्य महंत कॉलेज

नवीन राधाबाई कन्या महाविद्यालय : प्रभारी प्राचार्य का बात करने से इनकार

यहां फॉर्म संबंधित कार्यों के लिए प्राइवेट विद्यार्थियों की कतार लगी हुई थी। जब हमने छात्राओं से प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए लगाई जा रही कक्षाओं के विषय में पूछा तो उनका कहना था कि उन्हें इस तरह की किसी कक्षा की जानकारी नहीं है। उनकी जानकारी में ऐसी कोई कक्षा नहीं लगाई जा रही है। जब कार्यालयीन स्टाफ से बात की गई तो उनका कहना था कि आंतरिक मूल्यांकन हो चुका है। उन्होंने बातचीत करने प्राचार्य कक्ष में भेजा। नवनियुक्त प्राचार्य के अपने कार्यालय में नहीं होने पर प्रभारी प्राचार्य के पास भेजा गया। उन्होंने समस्या सुनने और बात करने से इनकार करते हुए बाद में आने की बात कहलवाई। कक्षाओं के संदर्भ में यहां कोई उचित जानकारी नहीं दे पाया।

भाठागांव शासकीय महाविद्यालय : यहां नियमित छात्रों के लिए ही जगह नहीं

शासन द्वारा भाठागांव में प्रारंभ किया गया शासकीय महाविद्यालय स्कूल कैंपस में ही संचालित हो रहा है। शुरुआत के वर्षों में यहां छात्रों की संख्या अत्यंत कम थी। इस कारण प्राइवेट फॉर्म भी लिए जाते थे। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में सभी कक्षाएं मिलाकर अध्ययनरत छात्रों की संख्या 723 है। बातचीत में यहां के प्रोफेसर्स ने बताया, यहां नियमित छात्रों को ही बैठाने के लिए पर्याप्त जगह और फर्नीचर की व्यवस्था नहीं हो पाती है। स्वाध्यायी छात्रों के लिए भी नियमित कक्षाएं अनिवार्य की गई हैं, इसलिए हमने प्राइवेट स्टूडेंट्स लिए ही नहीं। यहां कोरोनाकाल के बाद से ही बैठक व्यवस्था संबंधित दिक्कतों के चलते प्राइवेट फॉर्म नहीं लिए जा रहे हैं।

कार पार्किंग के लिए जगह नहीं छोड़ी तो 25 हजार से 2 लाख जुर्माना, सरकार ने विधानसभा में पेश किया विधेयक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में भू-राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक 2024 सहित पांच अन्य विधेयक पेश किए। भू-राजस्व संबंधी विधेयक में कहा गया है कि यह बदलाव भूमि अर्जन प्रक्रिया के बेहतर प्रशासन के लिए तत्काल कार्रवाई किया जाना आवश्यक है। इस विधेयक के अलावा छत्तीसगढ़ नगर पालिका निगम संशोधन, विनियोग विधेयक, अनिधिकृत विकास का नियमितीकरण और जीएसटी संशोधन विधेयक शामिल हैं। अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण विधेयक में प्रावधान है कि कार पार्किंग के लिए जगह न छोड़ने पर 25 हजार से 2 लाख रुपए तक जुर्माना लगेगा। ⏭ शेष पेज 14 पर

अब लगेगा इतना जुर्माना

विधेयक में बताया गया है कि पार्किंग में 25 प्रतिशत से कम पर हर कार स्थान के लिए 50 हजार रुपए, 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक होने पर एक कार के लिए एक लाख रुपए, 50 प्रतिशत से अधिक एवं 100 प्रतिशत तक होने पर प्रत्येक कार स्थान के लिए दो लाख रुपए शास्ति (जुर्माना) लगेगा। यह संशोधन 2011 के पहले अस्तित्व में आए अनियमित निर्माण पर लागू होगा।

जीएसटी एवं विनियोग विधेयक

जीएसटी विधेयक में कहा गया है कि अतिरिक्त निष्प्रभावी एल्कोहल को जीएसटी की परिधि से बाहर रखा जाएगा। मानवीय उपयोग के लिए अल्कोहल के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त अतिरिक्त निष्प्रभावी अल्कोहल के संबंध में यह प्रावधान लागू होगा। यह विधेयक वाणिज्यक कर जीएसटी मंत्री ओपी चौधरी ने प्रस्तुत किया है। श्री चौधरी ने विधानसभा में प्रस्तुत अनुपूरक बजट 800 रुपयों का पेश किया है। इस संबंध में 19 तारीख को चर्चा पूरी होगी। छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक अनुदान मांगों की पूर्ति के लिए पेश किया गया है।

अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण

छत्तीसगढ़ अनधिकृत विकास का नियमितीकरण अधिनियम विधेयक में कहा गया है कि नियमितीकरण के इस कार्य में अपेक्षित प्रतिक्रिया, विशेषकर पार्किंग के अंतर्गत अनधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए प्रावधानों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2011 के पहले एवं बाद में किए गए अनधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए भिन्न-भिन्न प्रावधान किए जाने को देखते हुए अधिनियम में संशोधन किए जाने से नियमितीकरण की प्रक्रिया का सरलीकरण हो सकेगा तथा प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा सकेगा।

भाठागांव का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध आज करेंगे पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ एमआईसी ने रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा के भेजे गए प्रस्ताव को किया था निरस्त

भाठागांव का नाम परिवर्तन कर अरिहंतपुरम करने के एमआईसी में आए प्रस्ताव को लेकर जहां सोमवार को परिषद के सदस्यों ने एक स्वर से विरोध करते हुए इस प्रस्ताव को निरस्त कर दिया, वहीं भाठागांव के रहवासी व जनप्रतिनिधि ब्रम्हा सोनकर के नेतृत्व में बुधवार को क्षेत्रीय विधायक का पुतला दहन करेंगे। विदित हो, भाजपा विधायक के भेजे गए प्रस्ताव को लेकर महापौर एजाज ढेबर ने कटाक्ष करते हुए कहा, सरकार के विधायक अपने क्षेत्र को छोड़कर दूसरे विधायक के क्षेत्र का नामकरण करने का प्रस्ताव भेजे रहे हैं, यह समझ से परे है। दरअसल, एक दिन पूर्व गांधी ⏭ शेष पेज 14 पर

विशेष डिवाइस का उपयोग कर पहुंचाई राहत

एसीआई में दो बुजुर्ग मरीजों को मिली राहत हार्ट अटैक का खतरा टला

हृदय की मुख्य नसों में जमा था कैल्शियम, पावडर बनाकर निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हृदय की मुख्य नसों में जम चुके कैल्शियम की मोटी परत की वजह से दो बुजुर्ग मरीजों को हार्ट अटैक का खतरा बढ़ गया था। बाइपास सर्जरी जैसे सुझाव लेकर एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट पहुंचे दो मरीजों को विशेष डिवाइस का उपयोग कर राहत प्रदान की गई। कोरोनरी ऑर्बिटल एथेरेक्टोमी प्रक्रिया के जरिए नसों में जमे कैल्शियम को पावडर बनाकर बाहर निकाल दिया गया। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया ⏭ शेष पेज 14 पर

360 डिग्री में घूमकर तोड़ता है ब्लाकेज

कार्डियोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कुणाल ओस्तवाल ने बताया कि ऑर्बिटल एथेरेक्टोमी प्रक्रिया एक कैथेटर की मदद से पूरी की जाती है। कैथेटर में डायमंड कोटेड खुरदुरा हिस्सा होता है, 360 डिग्री में घूमते हुए नसों के ब्लाक करने वाले कैल्शियम को खुरचकर निकालता है। ऐसी नसें जिनमें सामान्य तरीके से एंजियोप्लास्टी एवं स्टंटिंग नहीं की जा सकती, उनमें यह तरीका अपनाया जाता है।

नई उपचार सुविधा

आंबेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा कि एसीआई में कोरोनरी ऑर्बिटल एथेरेक्टोमी पद्धति से हृदय रोगियों के लिए नई उपचार सुविधा की शुरुआत की है। शासकीय चिकित्सालय में इस तकनीक का उपयोग कर एसीआई ने उपलब्धि हासिल की है। हृदय रोग के उपचार की दिशा में डाक्टरों की टीम द्वारा किये जा रहे नवाचार मरीजों में अच्छे जीवन की नई उम्मीद जगा रहे हैं।

बिना टेंडर पुल निर्माण पर हंगामा, विपक्ष का बहिर्गमन

कवासी लखमा के सवाल पर विपक्ष ने लोक निर्माण मंत्री को घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में सुकमा जिले के नक्सली क्षेत्र में पुल निर्माण को लेकर शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन जोरदार हंगामा हुआ। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक कवासी लखमा ने सुकमा में परिया, नागलगुण्डा और मुलेर में पुलिया और रोड निर्माण में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, पहले पुल बनता है फिर टेंडर डाला जाता है। ऐसा क्यों हो रहा है? लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने जवाब देते हुए कहा, परिया और मुलेर लोक निर्माण विभाग के सुकमा डिवीजन में आता है।

मई में वहां पर पुल निर्माण की आवश्यकता महसूस हुई है, तो निर्माण कार्य किया जाना था। शिकायत हुई, तो काम रोक दिया गया। आज उसका टेंडर खुलना है। मंत्री के जवाब से अंसतुष्ट विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। कवासी ने कहा, पुल पीएम सड़क योजना के तहत बन रहा है। 40 फ़ीसदी ज्यादा राशि पर बन रहा। एक ही नाले पर तीन-तीन पुलिया क्यों बन रही? कमीशन का खेल है। उन्होंने एसडीओ और ईई को सस्पेंड करने की मांग की। मंत्री साव ने कहा, अनियमितता की आशंका है तो जानकारी देंगे, मैं दिखवा लूंगा। कवासी लखमा ने मंत्री अरुण साव से जिन पुलों के बारे में जानकारी मांगी थी, दरअसल आरोप हैं कि बिना टेंडर के ही दो फर्मों को बुलाकर पुल बनाने का काम दे दिया गया। यही नहीं, जिस सड़क पर ये पुल बनाए जा रहे हैं, वो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने हैं, लेकिन उसे अब पीडब्ल्यूडी बना रहा है। कवासी लखमा ने आरोप लगाए कि एक ही नाले पर तीन पुल बनाए जा रहे हैं, जबकि एक बड़ा पुल बनाने से ना सिर्फ समय की बचत होती, बल्कि जनता के पैसों का दुरुपयोग नहीं होता। एक ही नाले पर तीन पुल बनाने का क्या औचित्य है।

जवानों के कैंपों में राशन पहुंचाने पुलों का बनना जरूरी था- साव

कवासी लखमा के सवालों पर अरुण साव ने कहा, जिन पुलों की बात की जा रही है, उन्हें मई महीने में बनाना शुरू किया गया था, जिसका टेंडर अभी खोला जाएगा। संबंधित ठेकेदारों और फर्म को इस निर्माण कार्य के लिए एक रुपए का भी भुगतान नहीं किया गया है। रही बात सड़क निर्माण की तो कवासी लखमा ने सिर्फ दो पुलों के निर्माण का प्रश्न लगाया है। यदि वो सड़क निर्माण का अलग से प्रश्न लगाएंगे, तो इसका जवाब दिया जाएगा। वहीं अनियमितता नहीं हुई है, क्योंकि नक्सल बेल्ट होने के कारण जवानों के कैंपों में राशन और दूसरी सामग्री पहुंचाने के लिए इन पुलों को बारिश से पहले बनाना जरूरी था, इसलिए निर्माण कार्य जिला प्रशासन की अनुमति से शुरू करवाया गया था, इस काम के लिए अभी तक कोई भी भुगतान नहीं हुआ है।

दो लोगों को बुलाकर दे दिया काम यह सीधा-सीधा भ्रष्टाचार- भूपेश

अरुण साव के जवाब का जब कवासी लखमा ने विरोध किया तो पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह से आग्रह किया कि मंत्री से ये पूछा जाए कि बिना टेंडर के काम शुरू करने वाले अधिकारी और इंजीनियरों पर क्या वो कार्रवाई करेंगे, क्योंकि आदर्श आचार संहिता के कारण ना तो राज्य सरकार से अनुमति ली गई और ना ही टेंडर बुलवाया गया। सिर्फ दो लोगों को बुलाकर काम बांटा गया है, जो सीधा-सीधा भ्रष्टाचार है। मंत्री साव ने कहा, सुरक्षा बलों का कैंप है। काम कराना जरूरी था। काम पूरा नहीं हुआ है। एक पैसे का भुगतान भी नहीं हुआ है। भूपेश ने कहा, आप स्वीकार कर रहे कि अनियमितता हुई है। कार्रवाई करेंगे क्या?

टेंडर के बाद होगा निर्माण की राशि का भुगतान

मंत्री साव ने हंगामा होते देख एक बार फिर ये बताने की कोशिश की कि जो काम करवाए गए हैं, उनमें एक रुपए का भी भुगतान नहीं हुआ है। टेंडर खोलने के बाद ही निर्माण कार्य की राशि के हिसाब से भुगतान होगा। वहीं कवासी लखमा, उमेश पटेल समेत कांग्रेस के दूसरे सदस्यों ने भी कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करना शुरू किया। विपक्ष ने मंत्री के जवाब को दरकिनार करते हुए नारे लगाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

रमन ने राजस्व मंत्री से कहा- विधानसभा की आवासीय कालोनी में अवैध कब्जा एक माह में हटाएं

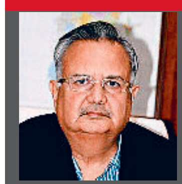

विधानसभा में ध्यानाकर्षण काल में भाजपा विधायक अनुज शर्मा ने अवैध प्लाटिंग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, पिछली बार कार्रवाई का आश्वासन दिया था, क्या करवाई की गई? राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने इस पर जवाब देते हुए कहा, राजस्व विभाग अकेले अवैध प्लाटिंग नहीं रोक सकता। टीएनसी, रजिस्ट्री, समेत कई विभागों की संयुक्त कमेटी बनानी होगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने निर्देश दिया कि विधानसभा के आवासीय परिसर में आवासीय भूमि पर जो अतिक्रमण है, उसे एक माह के अंदर कठोर कार्रवाई कर मुझे सूचित करें।

अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई नहीं

ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से भाजपा विधायक अनुज शर्मा ने कहा, धरसींवा में सरकारी स्कूल, चारागाह, नहर, सरकारी जमीन, सब पर अवैध प्लाटिंग हुई है, लेकिन कोई करवाई नही हुई। जो बेच कर चले गए, उस पर भी कार्रवाई की जाएगी क्या? मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, सभी मामलों में जांच कराकर कार्रवाई करवाऊंगा। अनुज ने कहा, आगे कब्जा न हो, इसके लिए विभाग से क्या उपाय किए जाएंगे? मंत्री ने कहा कि जहां जमीन बची है, वहां तख्ती लगाएंगे। समय सीमा बताना संभव नहीं। इस पर भाजपा विधायक राजेश मूणत ने पूरक प्रश्न करते हुए कहा, सिर्फ एक जगह की समस्या नहीं, पूरे प्रदेश की है। रमन सरकार में छोटे प्लाटिंग पर रोक लगाई गई थी। पूर्व सरकार ने 5 डिसिमिल से कम की रजिस्ट्री पर रोक हटा दी। इस समस्या से सब दुखी है। मंत्री, 5 कार्रवाई बता दें, जो आपने की है।

अर्बन और प्लांड एरिया में अवैध प्लाटिंग रोकने बनेंगे नियम

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने भी इसे लेकर कहा, गंभीर समस्या है। विधानसभा कॉलोनी पर भी अवैध कब्जा हुआ है। मंत्री, एक माह के भीतर करवाई कर सूचित करेंगे। अजय चंद्राकर ने भी इस पर प्रश्न करते हुए कहा कि वित्तमंत्री मौजूद हैं। सिर्फ घोषणा कर दें कि अवैध प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं होगी। सारी समस्या खत्म हो जाएगी। वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा, पहले नियम था। कृषि भूमि की 5 डिसिमल से छोटी रजिस्ट्री होने पर नामांतरण नहीं होता था। पिछली सरकार ने इसे हटा दिया। इससे अवैध प्लाटिंग बढ़ी। अर्बन और प्लांड एरिया में अवैध प्लाटिंग रोकने नियम जल्द बनाएंगे।

आयुष्मान योजना के 838 करोड़ का भुगतान लंबित, मंत्री ने कहा- जल्द देने का प्रयास

विधानसभा में कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना की राशि रुकने का मुद्दा उठाया। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने बताया कि 838 करोड़ का भुगतान लंबित है। दिसंबर 2024 तक 1096 करोड़ का भुगतान निजी अस्पतालों को किया गया है। 560 करोड़ का भुगतान सरकारी अस्पताल को किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि लंबित भुगतान के लिए 300 करोड़ रुपये और मिले हैं। जल्दी ही देने का प्रयास करेंगे।

मंत्री ने बताया कि टीपीए के जरिए क्लेम का भुगतान किया जाता है। भ्रष्टाचार रोकने हमने 75 अस्पताल की जांच की। 11 अस्पतालों पर 151 लाख का फाइन लगाया गया। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा, भुगतान लंबित होने से इलाज नहीं हो रहा है। निजी अस्पताल इलाज नहीं करता है तो क्या कार्रवाइ करेंगे। इस मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि टोल फ्री नंबर है। शिकायत करें। रजिस्टर्ड है और इलाज नहीं करते हैं तो डी इंपेनलमेम्ट करेंगे। आयुष्मान का लाभ नहीं देंगे।

कांग्रेस ने निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना की राशि रुकने का मुद्दा उठाया

भूपेश को जवाब आप जितना छोड़ कर गए थे उससे कम देनदारी

पूरक प्रश्न करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि 1400 करोड़ का भुगतान रुका है। छोटे-छोटे अस्पताल बंद हो गए हैं। इलाज नहीं हो रहे हैं। कब तक भुगतान होगा? मंत्री ने कहा, आप जितना छोड़कर गए थे, उससे देनदारी कम ही है। 300 करोड़ मिले हैं और कम हो जायेंगे। भूपेश ने कहा, मलेरिया और डायरिया से मौत हो रही है। हालात ये हो गए हैं कि जांच बंद है। दवा बंद है। मंत्री ने कहा कि कभी डिबेट करा लीजिए। आपके समय कितने हुए थे।

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार, मंत्री ने कहा- लापरवाही करने वालों को कठोर सजा दी जाएगी

दो साल में 2918 ठेकेदारों को नोटिस जारी

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन धरमलाल कौशिक ने उन्होंने कहा वहीं जल जीवन मिशन में फर्जी दास्तावेजों के माध्यम से काम लेने वालों की शिकायत सही पाने पर सिर्फ अनुबंध निरस्त किया गया और उसके बाद भुगतान किया गया। उन्होंने पूछा कि ब्लैकलिस्टेड के बाद भी पेमेंट क्यों किया गया। कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर आपके अधिकारियों ने जानबूझकर काम दिया, उनके खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं की। अरुण साव ने जवाब दिया, फर्जी प्रमाण पत्र से काम पाने के बाबत में जांच समिति का गठन किया गया। जांच समिति जो भी निर्णय लेगी, उसके अनुसार काम किया जाएगा। यदि एफआईआर करने को कहा जाएगा, तो वो भी किया जाएगा। जल जीवन मिशन में कोई भी लापरवाही करेगा, तो उसे कठोरतम सजा दी जाएगी। प्रश्नकाल में उन्होंने पूछा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत किन-किन ठेकेदारों और संस्थाओं के खिलाफ किस आधार पर नोटिस जारी किया गया। सवाल का जवाब देते हुए लोक निर्माण विभाग के मंत्री अरुण साव ने बताया कि पिछले 2 साल में जलजीवन मिशन के काम के लिए 2918 ठेकेदारों को नोटिस जारी किया गया। कार्य में धीमी गति, कार्य में लेट लतीफी, अनुबंध में शेष बचे काम के लिए, कूटरचित दस्तावेज पेश करने के लिए 13 अलग अलग बिंदू में 18 नोटिस जारी किए गए। ठेकेदार के खिलाफ 72 शिकायत मिली. उनपर कार्रवाई की गई। ठेकेदार का अनुबंद रद्द किया गया। गुणवत्ताविहीन कार्यों को तोड़ा गया। एजेंसी को अपात्र घोषित किया गया है. पिछले 2 साल में फर्जी दस्तावेज दिखा कर काम लेने वाले संस्थाओं को 26 नोटिस जारी किया गया। निविदा के लिए अपात्र भी घोषित किया।

ईडी को मामला सौंपने की मांग

उन्होंने कहा, इस मामले में कब तक एफआईआर कब तक हो जाएगी, वसूली की कार्यवाही की मांग करते हुए कहा कि इस मामले की पूरी कार्यवाही की जिम्मेदारी ईडी को सौंपी जाए। इस पर पीएचई मंत्री ने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा कि जैसे ही उच्च स्तरीय कमेटी की अनुशंसा आएगी, उसके बाद तत्काल इस मामले पर कार्यवाही शुरू कर दी जाएगी। सभी जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्यवाही होगी और कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

स्मार्ट सिटी के तहत हुए कार्य अधूरे, मंत्री साव बोले- सभी काम का होगा परीक्षण

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने रायपुर स्मार्ट सिटी के कामकाज का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसके अंतर्गत कार्यों की वित्तीय और भौतिक स्थिति पर सवाल पूछा है। उन्होंने कहा, प्रगतिरत कार्यों की सूची में 100 प्रतिशत पूर्ण कामों के नाम दिए जाने पर स्पष्टीकरण मांगा। नगरीय प्रशासन मंत्री साव ने कहा, वह भौतिक प्रगति का है, अभी भुगतान नहीं हुआ है। मंत्री ने इस पर जवाब देते हुए कहा, 230 कार्यों में 56 कार्यों को पुनरीक्षित स्वीकृति दी गई है। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट अजय चंद्राकर ने कहा कि इसमें अलग-अलग मद का इस्तेमाल हुआ है। आपने कई कामों को पूरा बताया है, लेकिन अभी भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा, रायपुर के चारो विधायकों से समक्ष जांच कराएंगे क्या? मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से काम का परीक्षण कराएंगे।

अजय चंद्राकर ने बूढ़ा तालाब सौंदर्यीकरण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने पूछा कि बूढ़ातालाब में किन-किन मदों का इस्तेमाल हुआ। एजेंसी कौन कौन थी। उन्होंने पूर्ण-अपूर्ण कार्यों की जानकारी मांगी। मंत्री साव ने इसके जवाब में कहा कि यहां 35.07 करोड़ के 30 स्वीकृत हुए थे। 29 कार्य पूर्ण हो गए हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर एक को पहले बंद किया गया। अजय चंद्राकर ने इस पर आपत्ति जताई और फिर से सवाल दोहराया। इस पर मंत्री साव ने कहा, सभी मद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का है। चंद्राकर ने कहा, अलग अलग मदों की राशि का उपयोग बूढ़ातालाब सौंदर्यीकरण के लिए किया गया। जितने काम बताए गए वो सब अधूरे हैं। क्या इसका निरीक्षण कराया जाएगा? इसका जवाब देते हुए मंत्री साव ने कहा, बूढ़ातालाब में 30 कार्य स्वीकृत हुए थे। 35.07 करोड़ के 29 कार्य पूरे कर लिए गए हैं। एक काम हाईकोर्ट के आदेश पर फोर क्लोज गया। चंद्राकर ने एक बार फिर बूढ़ातालाब को लेकर अपना सवाल दोहराया। साव ने कहा, बूढ़ातालाब का पूरा काम स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत हुआ है। मंत्री ने कहा, कामों का परीक्षण जल्द पूरा कराया जाएगा। चंद्राकर ने निश्चित समय सीमा की मांग की।

पूर्व सरकार ने स्मार्ट सिटी का पूरा पैसा सिर्फ लूटने का काम किया : सोनी

तीन एजेंसियों ने कराए काम, होगी जांच

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मुणत ने कहा, बूढ़ातालाब में तीन एजेंसियों ने काम किया। स्मार्ट सिटी कह रहा है कि काम पूरा हुआ है तो 6 करोड़ का फौव्वारा चालू क्यों नहीं हो पाया। एक तालाब के अंदर तीन एजेंसियों ने काम किया, लेकिन काम अपूर्ण है। तीनों एजेंसियों ने क्या-क्या काम करवाएं हैं। इसकी जांच कराएंगे क्या? मंत्री ने इस पर जांच कराने की घोषणा की।

सुनील सोनी का कांग्रेस सरकार पर आरोप

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा, अनियमितताओं का भंडार हमारी सरकार को मिला है। पूर्व सरकार ने स्मार्ट सिटी का पूरा पैसा सिर्फ लूटने का काम किया। केंद्र सरकार के मापदंड पर एक भी काम नहीं किया, हम इसकी जांच की मांग करते हैं। चंद्राकर ने बीच में बोलते हुए कहा, जो आश्वासन दिया गया है उसकी समय सीमा निर्धारित की जाए।

24 घंटे पानी देने का प्लान 2025 तक पूरा होगा

अजय चंद्राकर ने फिर पूछा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में चौबीसों घंटे पानी देने का प्लान है। 2016 से यह परियोजना लागू है, इसे कब तक पूरा किया जाएगा। कितने घरों तक पानी पहुंचाया जाएगा। अभी कितना प्रतिशत काम पूरा हुआ है। मंत्री ने कहा, 24 घटों पानी देने की योजना स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में 2016 से शामिल है। इसके लिए 158.59 करोड़ की राशि स्वीकृत है। कार्यादेश 31 मार्च 2022 को जारी किया गया है। आज की तिथि में 109.61 खर्च हुआ है। 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। मार्च 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

विधानसभा के रजत जयंती वर्ष पर 'स्मृतियां' छायाचित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष ने किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ विधानसभा के 'रजत जयंती वर्ष' के उपलक्ष्य में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में 'स्मृतियां' छायाचित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी के शुभारंभ के बाद मंत्रियों एवं विधायकों ने छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उसकी सराहना की। इस अवसर पर विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे । छायाचित्र प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ विधानसभा की स्थापना से लेकर वर्तमान तक के 25 वर्षों के ऐतिहासिक सफर के महत्वपूर्ण अवसर के छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया है। छायाचित्रों की इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ विधानसभा के आरंभ से लेकर वर्तमान तक विशिष्ट अतिथियों के छत्तीसगढ़ विधानसभा में विभिन्न कार्यक्रमों में आगमन एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसरों के छायाचित्रों को प्रदर्शित किया गया है। यह प्रदर्शनी रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे वर्षभर विधानसभा परिसर में लगी रहेगी। प्रदर्शनी स्थल पर नवा रायपुर में निर्माणाधीन नवीन विधानसभा भवन के ''मॉडल'' को भी प्रदर्शित किया गया है।

प्रार्थना सभा

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ।।
(आत्मा को शस्त्र काट नहीं सकते, आग उसे जला नहीं सकती, पानी उसे भीगा नहीं सकती और हवा उसे सुखा नहीं सकती)

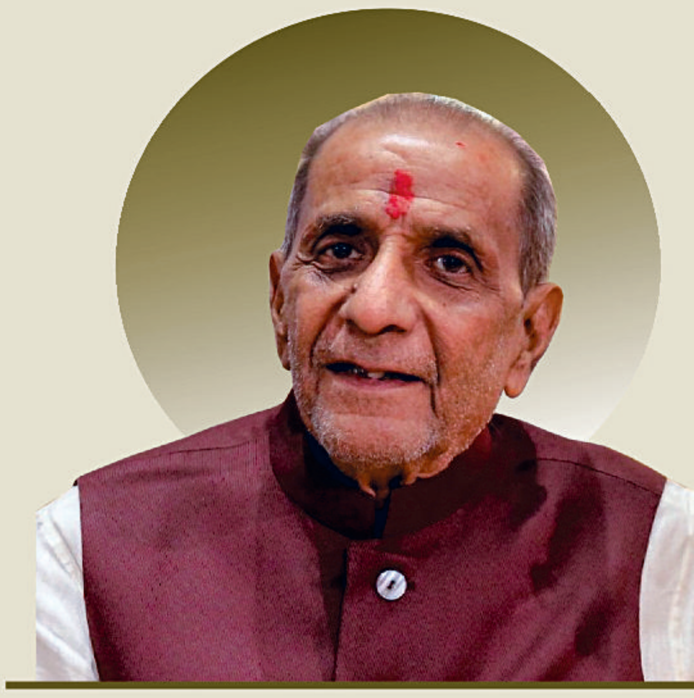

ब्रह्मलीन श्री छेदीलाल जी बजाज

पगड़ी एवं प्रार्थना सभा
स्थानः रामनाथ भीमसैन धर्मशाला, समता कॉलोनी, रायपुर
दिनांकः 18 दिसंबर 2024 (बुधवार), समयः संध्या 4.00 बजे

परिवारजन
सुमित्रा देवी बजाज (पत्नी)
सुलोचना देवी बजाज (पत्नी - अनुज भ्राता)
कैलाश, किशन, विनय बजाज (पुत्र), रेखा, सुनीता श्रद्धा बजाज (पुत्र-वधु), अजय, जय बजाज (भतीजे),
केशव, मोहित, उदय, विकास विजय, अमित, विशाल, अंकित, अंकुर बजाज (पौत्र),
वृतिका, श्रेया बजाज (पौत्र-वधु), किरण-श्याम सुन्दर, चंदा-गोपाल, अनीता-महेश, संगीता-प्रभुदयाल,
सबिता-शंकर, सारिका-अजय (बेटी-दमाद), खुशबू-अनमोल, दीक्षा-ऋषभ (पौती-दमाद)
माँ जानकी, माँ शाहजो, ऋचा, सृष्टि (पौती), साइसा (परपौती) एवं समस्त बजाज परिवार

साँसे हो रही कम, आओ पेड़ लगाए हम - अग्र सेवा

MAHESHWARI

निधन

मोजीराम छेकर

रायपुर। संतोषी नगर निवासी मोजीराम छेकर (78) का 16 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे पवन छेकर के पिता थे।

द्रौपदी बाई यादव

रायपुर। काठाडीह निवासी द्रौपदी बाई यादव (65) का 17 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 18 दिसंबर को सुबह 10 बजे उनके गृहग्राम में ही किया जाएगा। वे पत्रकार ललित यादव की माता थीं।

मोहनलाल चोपड़ा

रायपुर। विवेकानंद नगर निवासी मोहनलाल चोपड़ा का 17 दिसंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 दिसंबर को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे शिवराज, सहसमल, छगनलाल, संतोष, धरम और पूनम चोपड़ा के भाई तथा सुनील चोपड़ा के पिता थे।

विजय निषाद

रायपुर। लभांडी निवासी विजय निषाद (55) का 17 दिसंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 दिसंबर को दोपहर 2 बजे उनके निवास स्थान से लभांडी मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे मुकेश निषाद के पिता, कन्हैया निषाद, दुष्यंत व वरिष्ठ पत्रकार राकेश निषाद के मौसा थे।

पहली बार रविवि ने बिना सुझाव मांगे जारी की समय-सारिणी और हो गई गड़बड़ी!

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

अलग खबर

गड़बड़ी हुए बगैर पं.रविशंकर शुक्ल विवि परीक्षाएं हो पाना नामुमकिन है। इस बार रविवि ने पूरे जोर-शोर से नई व्यवस्था अपनाई और पहली बार में ही मुंह की खानी पड़ी। रविवि द्वारा सेमेस्टर परीक्षाओं की समय-सारिणी गत दिनों जारी की गई। अब तक प्रस्तावित समय-सारिणी विवि द्वारा जारी की जाती थी। इसे छात्रों के लिए सार्वजनिक नहीं किया जाता था। केवल संबद्ध महाविद्यालय प्रबंधन को इसे प्रेषित किया जाता था। महाविद्यालयों द्वारा इसका निरीक्षण करने के बाद इसमें हुई गलतियों से विश्वविद्यालय को अवगत कराया जाता था।

सभी महाविद्यालयों से सुझाव प्राप्त होने के बाद रविवि द्वारा इसमें सुधार करते हुए अंतिम समय-सारिणी जारी की जाती थी। इसे विद्यार्थियों के लिए भी सार्वजनिक करते हुए रविवि तथा महाविद्यालयों द्वारा अपने वेबसाइट पर अपलोड किया जाता था। लेकिन इस बार रविवि ने ऐसा नहीं किया। प्रस्तावित समय-सारिणी के स्थान पर सीधे अंतिम समय-सारिणी ही जारी कर दी गई। इसमें कई तरह की दिक्कतें सामने आई हैं। इसके बाद से महाविद्यालय प्रबंधन और छात्र इसमें बदलाव की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर महाविद्यालय प्रबंधन गुरुवार को अपनी मांग रखेंगे।

पहले महाविद्यालयों को भेजा जाता था प्रस्तावित टाइम-टेबल

जांच के बाद भी गड़बड़

अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, इस बार परीक्षा विभाग द्वारा कई स्तर पर समय-सारिणी की जांच की गई थी, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी ना हो। हालांकि प्रत्येक वर्ष सेमेस्टर तथा वार्षिक परीक्षा का टाइम-टेबल जार करने से पहले कई स्तर पर इसे जांचा जाता है, लेकिन इस बार प्रस्तावित समय-सारिणी की जगह सीधे स्थायी समय-सारिणी जारी करने संबंधित निर्णय के कारण विशेष रूप से सावधानी बरती गई थी, फिर भी गड़बड़ी हो गई।

सीए की परीक्षा में बैठते हैं कॉमर्स छात्र

सीए की परीक्षा में कॉमर्स संकाय के अधिकतर छात्र शामिल होते हैं। अंतिम वर्ष के छात्रों के साथ प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी भी अनुभव के लिए इसमें शामिल होते हैं। इस बार सीए फाउंडेशन कोर्स की परीक्षाएं 12,14, 16 और 18 जनवरी को हैं। इसी तरह इंटरमीडिएट की ग्रुप-1 की परीक्षाएं 11, 13 और 15 जनवरी को हैं। ग्रुप-2 की परीक्षाएं 17,19 और 21 जनवरी को हैं। इन्हीं तारीखों में रविवि ने बीकॉम की परीक्षाएं भी रखी हैं। छात्र समय-सारिणी जारी होने के बाद से ही चिंतित हैं। यदि रविवि परीक्षा तिथि में बदलाव नहीं करता है तो विद्यार्थियों को दोनों में से किसी एक परीक्षा को छोड़ना होगा।

घटना से यात्रियों में दहशत व्याप्त

अंतर्राज्यीय बस स्टैंड में एजेंटों की बढ़ी गुंडागर्दी, सवारी बैठाने की बात पर आपस में भिड़े, एक को मारा चाकू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी रायपुर के अंतर्राज्यीय बसस्टैंड में एजेंटों की गुंडागर्दी लगातार बढ़ती जा रही है। एजेंटों द्वारा यात्रियों से दादागिरी कर उनका जबरदस्ती टिकट काटकर बसों में बैठाया जा रहा है। एजेंटों की गुंडागर्दी इतनी बढ़ गई है कि अब इन लोगों के बीच ही टिकट काटने व सवारी बैठाने की बात को लेकर टकराव होने लगा है। यही कारण है कि सोमवार देर रात बस एजेंटों के

बीच इसी बात को लेकर जमकर विवाद हुआ। इसके बाद एक गुट के एजेंटों ने मिलकर दूसरे गुट के एजेंट पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल किया गया है। इधर घटना के बाद सभी आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। टिकरापारा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 12 बजकर 5 मिनट पर बसस्टैंड में यात्रियों का टिकट काटने के विवाद पर प्रार्थी रोशन सिंह का आरोपियों अम्मू, फैजान एवं समीर के साथ विवाद हो गया। सभी एजेंट का काम करते हैं। इनके बीच पूर्व में भी करीब 3 से 4 बार टिकट काटने व सवारी बैठाने की बात को लेकर विवाद हो चुका है, लेकिन इस विवाद को लेकर किसी ने भी थाने में शिकायत नहीं की। घटना के समय रोशन और आरोपियों के बीच इसी बात को लेकर फिर विवाद हुआ, लेकिन इस बार यह विवाद बहुत ज्यादा बढ़ गया। इस दौरान आरोपियों ने मिलकर रोशन से गाली-गलौज करने के साथ जान से मारने की नीयत से उस पर चाकू से हमला कर दिया।

बस स्टैंड में एजेंटों की गुंडागर्दी पर लगाम नहीं

अंतर्राज्यीय बस स्टैंड जब से पंडरी से हटाकर भाठागांव हाईटेक बसस्टैंड में शिफ्ट किया गया है, तब से यहां एजेंटों की गुंडागर्दी देखी जा रही है। बसस्टैंड में आए दिन एजेंटों की गुंडागर्दी की शिकायतें पुलिस तक भी पहुंच रही हैं। इसके बाद भी एजेंटों पर लगाम लगाने में पुलिस विफल रही है। हालात यह हैं कि एजेंट एक ओर जहां यात्रियों को जबरदस्ती टिकट काटने से लेकर बस में बैठाने से बाज नहीं आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अब एजेंटों के बीच भी विवाद से लेकर चाकूबाजी की घटनाएं भी होने लगी हैं। इसके कारण बसस्टैंड में पहुंचने वाले यात्रियों में भी डर देखा जा रहा है। जिस समय घटना घटी, उस समय बसस्टैंड में बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे, जो बस के रवाना होने का इंतजार कर रहे थे। इस घटना ने यात्रियों में खौफ पैदा कर दिया है।

मेन गेट से पकड़कर जबरदस्ती बस में बैठाकर टिकट काट रहे

एजेंटों द्वारा यात्रियों को जबरदस्ती पकड़कर बस में बैठाकर उसका टिकट काटने के मामले पहले भी कई बार सामने आ चुके हैं। इन मामलों के उजागर होने के बाद प्रशासन द्वारा कई बार कार्रवाई भी की गई है, लेकिन इसके बाद भी एजेंटों की गुंडागर्दी यहां जारी है। एजेंटों की गुंडागर्दी इसी से देखी जा सकती है कि मेन गेट के पास एंट्री करते ही यात्रियों को एजेंट घेर लेते हैं और जबरदस्ती बस में बैठाकर उनका टिकट काट देते हैं।

असामाजिक तत्वों का भी बढ़ा जमावड़ा

बसस्टैंड में असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा बना हुआ है। रात के समय में असामाजिक तत्वों के कारण यात्रियों में खौफ देखा जा रहा है, क्योंकि रात में कई लोग यहां नशे की हालत में घूमते-रहते हैं। इन लोगों को पकड़ने के लिए पुलिस पार्टी यहां गश्त तक नहीं करती, जिसके कारण उनके हौसले बढ़े हुए हैं।

अब राइस मिलर्स एसोसिएशन भी मिलिंग के लिए तैयार जताया सरकार पर भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राइस मिलरों और सरकार के बीच जारी गतिरोध समाप्त हो गया है। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा है कि हमें 2023-24 का भुगतान जल्द होने में शंका थी, क्योंकि हमारा कस्टम मिलिंग कार्य अपूर्ण था जिसकी जानकारी हमने राज्य सरकार के समक्ष भी रखी। अब सरकार शीघ्र भुगतान का रास्ता बना चुकी है, साथ ही 2022-23 के भुगतान पर भी भरोसा दे रही है। हमें भी सरकार पर भरोसा है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही मिलरों के एक गुट ने सरकार के साथ मिलकर मिलिंग करने पर सहमति जताई थी। उस समय एसोसिएशन तैयार नहीं था। लेकिन अब एसोसिएशन का रुख बदला है। एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने एक बयान जारी कर कहा है कि मिलर्स ने सरकार के साथ बकाया भुगतान सहिंत अन्य विषयों का समाधान ना हो पाने पर कार्य ना करने असमर्थता का पत्र प्रदेश एसोसिएशन को लिखित में दिया। प्रदेश एसोसिएशन ने सीएमआर कार्य करने का निर्णय मिलर्स पर छोड़ा था। हमने मिलर्स के 2022-23 के प्रोत्साहन राशि भुगतान की प्रमुख मांग सरकार के समक्ष रखी जिसमें कुछ तकनीकी दिक्कत के कारण राज्य सरकार ने 2023-24 के प्रथम किस्त के भुगतान करने का निर्णय लिया।

▪ एक गुट पहले ही तैयार हो गया था मिलिंग के लिए

हमें 2023-24 का भुगतान जल्द होने में शंका थी क्योंकि हमारा कस्टम मिलिंग कार्य अपूर्ण था जिसकी जानकारी हमने राज्य सरकार के समक्ष भी रखी। अब सरकार शीघ्र भुगतान का रास्ता बना चुकी है साथ ही 2022-23 के भुगतान पर भी भरोसा दे रही है। हमें भी सरकार पर भरोसा है। प्रदेश एसोसिएशन सभी मिलर्स से कहा है कि जल्द ही कार्य आरंभ करें और सीएमआर कार्य में सहयोग करें।

मंदिर में चोरी, रुपए से भरी दान पेटी ले गया चोर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी रायपुर के खम्हारडीह क्षेत्र में स्थित सुरेश्वर महादेव पीठ मंदिर में चोरी हो गई। अज्ञात चोर मंदिर में रखी रुपए से भरी दान पेटी चोरी कर ले गए। घटना 16-17 दिसंबर की दरम्यान रात की है। मंदिर थाना से करीब दो सौ मीटर दूरी पर है। इसके बाद भी मंदिर में चोरी होना कहीं न कहीं पुलिस की पेट्रोलिंग व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है।

पुलिस के अनुसार मंदिर के मुख्य पुजारी स्वामी राजेश्वरानंद महाराज ने घटना की रिपोर्ट मंगलवार को सुबह थाने में दर्ज कराई है। पुजारी के अनुसार रात को मंदिर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाने के बाद वह अपने घर लौट गया। सुबह जब पूजा करने के लिए मंदिर पहुंचा तो दरवाजा पर लगा ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा, तो दान पेटी गायब थी। उन्होंने बताया कि दान पेटी में चढ़ावा के लगभग दस हजार रुपए थे। पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

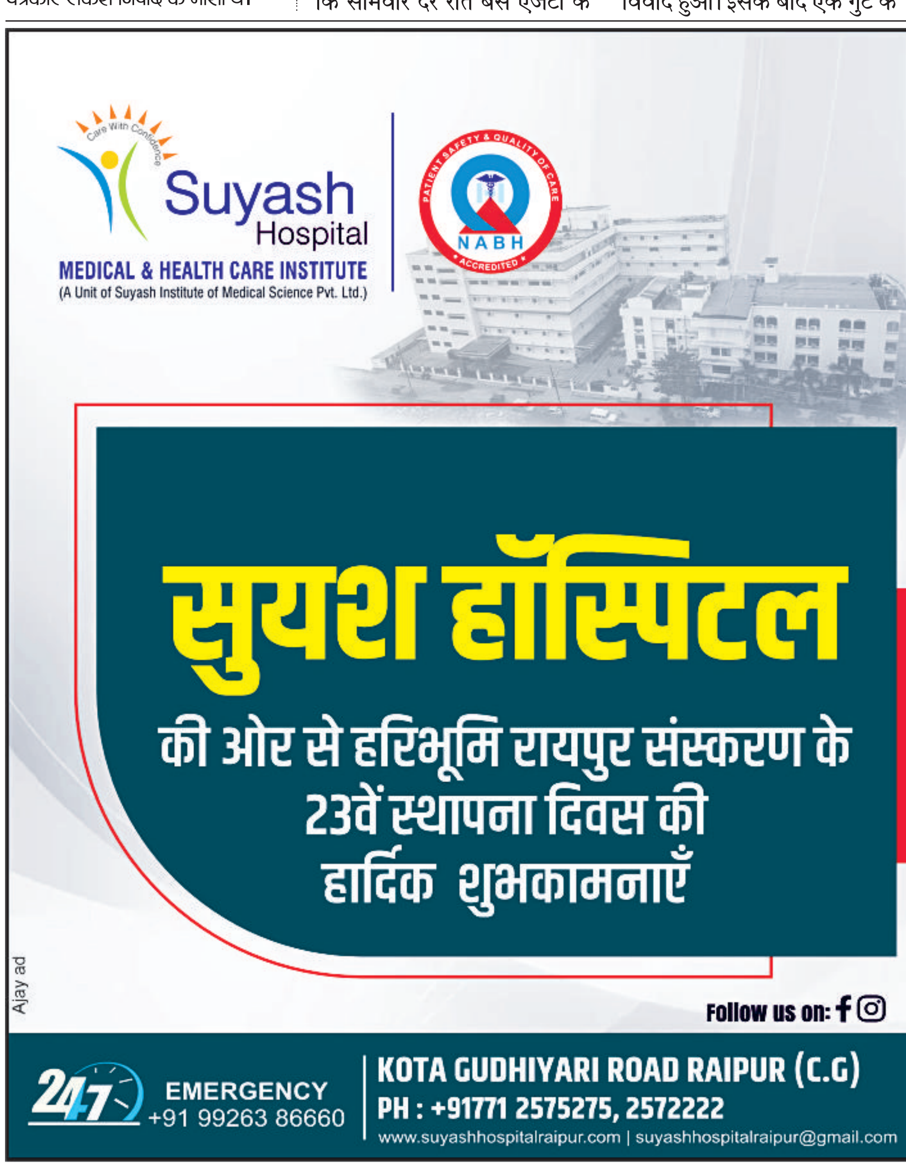

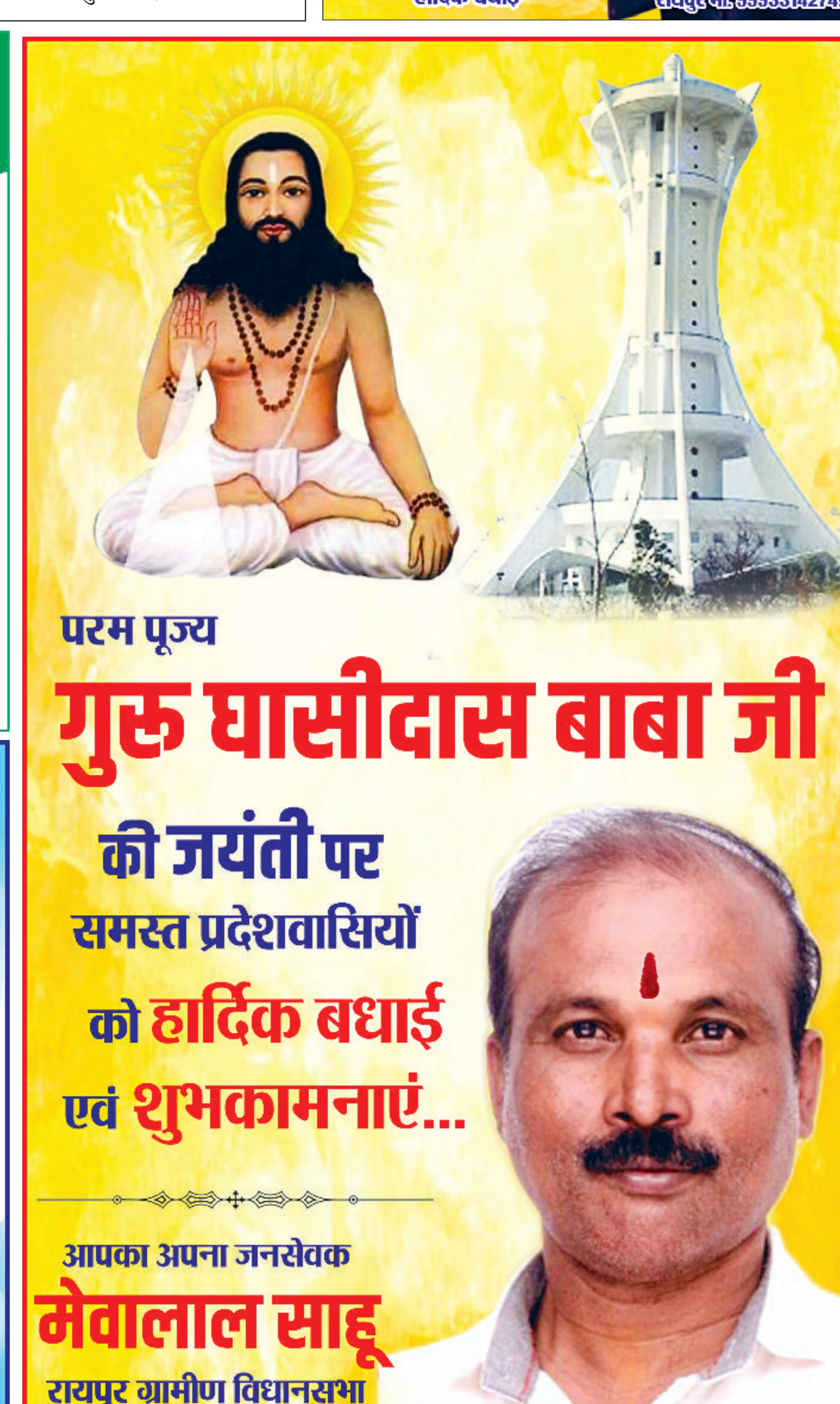

आज से भाजपा के मंडल अध्यक्षों का चुनाव, 21 से होगा जिलाध्यक्षों का चुनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा के संगठन चुनाव में बूथ कमेटियों के चुनाव के बाद अब मंडल अध्यक्षों का चुनाव बुधवार से प्रारंभ हो रहा है। पहले दिन डेढ़ से दो सौ मंडलों में चुनाव होने की संभावना है। 20 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद 21 दिसंबर से जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इस बार भाजपा ने 71 नए मंडल भी बना दिए हैं। सबसे ज्यादा 26 नए मंडल दुर्ग संभाग में बने हैं। रायपुर संभाग में 18, बिलासपुर संभाग में 16, सरगुजा में सात और बस्तर संभाग में चार नए मंडल बने हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने प्रदेश भर में बढ़ाए गए मंडलों के बारे में बताया, सरगुजा संभाग में सूरजपुर जिले में गोविंदपुर को एक नया मंडल बनाया गया है। इसी तरह बलरामपुर में वाड्रफनगर पूर्वी, एवं महावीर गंज के नाम से दो नए मंडल बनाए गए हैं। सरगुजा में परसा, अंबिकापुर शहर दक्षिण (समलाया), उदयपुर उत्तर, राजापुर को नया मंडल बनाया गया है। इस तरह सरगुजा संभाग में 7 नए मंडल बनाए गए हैं। पहले सरगुजा संभाग में 73 मंडल होते थे जो अब बढ़कर 80 हो गए हैं।

रायपुर संभाग में 18 नए मंडल : रायपुर संभाग के बलौदाबाजार में ताहोद, कटगी, रोहांसी, नयापारा-हथबंद एवं कोतिहा नए मंडल बनाए गए हैं। रायपुर ग्रामीण में बोहरही धाम, बंगोली एवं अटल नगर को नया मंडल बनाया गया है। इस तरह रायपुर ग्रामीण में मंडलों की संख्या 12 से बढ़कर 15 हो गई है। महासमुंद में छुहीपाली एवं सिरपुर पटेवा को नया मंडल बनाया गया है। रायपुर शहर में मां बंजारी, मोवा, टाटीबंध एवं भाठागांव को नया मंडल बनाया गया है। गरियाबंद जिले में कोपरा, खड़मा एवं मतेवांचल को नया मंडल बनाया गया है। रायपुर संभाग में पहले 80 मंडल होते थे जो बढ़कर अब 98 मंडल हो गए है।

दुर्ग संभाग में सबसे ज्यादा बने भाजपा के 26 नए मंडल

बिलासपुर में संभाग में 16 नए मंडल

बिलासपुर संभाग के रायगढ़ जिले में पहले 23 मंडल थे जिस में एक नया मंडल बनाकर कुल 24 मंडल हो गए हैं। किरोड़ीमल नगर को रायगढ़ जिले का नया मंडल बनाया गया है। सारंगढ़ बिलाईगढ़ में पवनी को एक नया मंडल बनाया गया है। कोरबा फरसवानी, सर्वमंगला जवाती, पोड़ी ताफा, सिरमिना को नया मंडल बनाया गया है। कोरबा में कुल मंडलों की संख्या 19 से बढ़कर अब 24 हो गई है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में मरवाही मध्य को नया मॉडल बनाया गया है। इस तरह बिलासपुर में पहले 25 मंडल थे यहां काथाकोनी, बेलतरा पूर्व, देवरी खुर्द, बरतोरी नए मंडल बने हैं। मुंगेली में डिंडौरी, तौदा को नया मंडल बनाया गया है। सक्ती जिले में सिवनी को एक नया मंडल बनाया गया है। जांजगीर-चांपा में कोडाभाट को एक नया मंडल बनाया गया है। इस तरह सक्ति और जांजगीर-चांपा में एक-एक नए मंडल बनाए गए हैं। बिलासपुर संभाग में पहले 119 मंडल थे जिसमें 16 नए मंडल बने हैं। अब कुल 135 मंडल हो गए हैं।

बस्तर में चार नए मंडल

बस्तर संभाग में कोण्डागांव में धनोरा एवं बड़ेराजपुर को नया मंडल बनाया गया है। बस्तर जिले में सरगीपाल, जगदलपुर पश्चिम को नया मंडल बनाया गया है।

दुर्ग संभाग में अब 102 मंडल

दुर्ग संभाग के बालोद में करहीभदर, मिरीटोला पुरूर, सनौद, रेगाडबरी, कुसुमकसा, सुरेगांव, सिकोला और ओटेबंध को नया मंडल बनाया गया है। दुर्ग जिले में दरबार मोखली, अंडा, मरोदा पुरैना, मध्य मंडल (दीनदयाल उपाध्याय) को नया मंडल बनाया गया है। बेमेतरा में दाससमुंद को नया मंडल बनाया गया है। भिलाई में भिलाई-3, मुरमुंदा एवं कोहका को नया मंडल बनाया गया है। खैरागढ़ में मां नर्मदा एवं ठेलकाडीह को मंडल गया है। राजनांदगांव में पहले 10 मंडल थे जिसे बढ़ाकर तिलई, राजनांदगांव ग्रामीण (सोमनी) पश्चिम, मुसरा-मुरमुंदा, अर्जुनी, तुमड़ी बोड़ एवं गैंदाटोला को नया मंडल बनाया गया है। मोहला-मानपुर जिले में गोटाटोला एवं औंधी को नया मंडल बनाया गया है। इस तरह दुर्ग संभाग में पहले 76 मंडल होते थे जो अब बढ़कर 102 मंडल हो गए हैं।

खबर संक्षेप

सिंधी काउंसिल छत्तीसगढ़ इकाई ने बांटे कंबल

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा जरूरतमंदों को निशुल्क कंबल वितरित किए गए। यह कार्यक्रम पुराना राजेंद्र नगर स्थित डॉ. एनडी गजवानी के क्लीनिक में मंगलवार को किया गया। इस मौके पर सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि बुजुर्ग, महिला, बच्चे सभी को कंबल वितरित किए गए, जैसे ही सभी जरूरतमंद को कंबल मिले, उनके चेहरे में खुशी छलक उठी। यह कंबल वितरण स्व. कांता देवी जसवानी, स्व. हरीराम तलरेजा, स्व. मोहनलाल तलरेजा, स्व. शंकरलाल रामनानी, स्व. हरीराम सिदारा की स्मृति में किया गया। इस अवसर पर सुनील कुकरेजा, सुमीत अठवानी, धनेश मटलानी, चंदर देवानी, महेश खिलनानी, आकाश बजाज आदि शाामिल थे।

ग्राम बाना में रासेयो का सात दिवसीय विशेष शिविर

रायपुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय अटारी रायपुर द्वारा ग्राम बाना धरसींवा में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन ग्राम बाना के उपसरपंच टहलराम साहू द्वारा किया गया। दूसरे दिन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. जयेश करंजगांवकर को बौद्धिक परिचर्चा सत्र में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसमें उन्होंने डिजिटल लिटरेसी एवं अंक ज्योतिष विषय पर अपनी बात रखी। इस शिविर में दल नायक के रूप में बीसीए द्वितीय के छात्र अंतर्यामी बारिक एवं बीएससी तृतीय की छात्रा प्रीति देशलहरे को बनाया गया है।

चेतना नाट्य मंच पर एक साल का प्रतिबंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने चेतना नाट्य मंच (सीएनएम) को एक साल के लिए प्रतिबंधित किया है। गृह विभाग की एक अधिसूचना में इस संबंध में कहा गया है कि यह संगठन आग्नेय अस्त्रों, विस्फोटकों एवं अन्य उपकरणों के उपयोग को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित, विधि, प्रशासन में हस्तक्षेप, उनके द्वारा लोक व्यवस्था, शांति में बाधा एं नागरिकों की सुरक्षा में खतरा पैदा कर रहा है। इसके साथ ही विधि द्वारा स्थापित संस्थाओं की अवज्ञा को बढ़ावा देते हुए विधि विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त है जो कि राज्य की सुरक्षा के लिए प्रतिकूल है। इसीलिए राज्य सरकार को समाधान हो गया है कि ऐसे संगठन को विधि विरुद्ध संगठन घोषित करना आवश्यक है। सरकार ने विशेष जन सुरक्षा अधिनियम की धाराओं के तहत इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक साल के लिए विधि विरुद्ध संगठन घोषित किया है। माना जाता है कि ये संगठन राज्य में नक्सलियों के लिए काम करता है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की कबड्डी स्पर्धा

रायपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा सिब्बल पैलेस सेरीखेड़ी के मैदान में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान को हरियाणा की टीम ने 63-18 के भारी अंतर से हराया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि नामदेव साहू एवं विशेष अतिथि कृपाराम साहू सदस्य छत्तीसगढ़ राज्य कबड्डी फेडरेशन एवं कार्यालय के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 अभिषेक कुमार ने विजेता एवं उपविजेता टीम को शील्ड एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया।

नॉन ट्रेड 40 और खुले बाजार का सीमेंट 20 रुपए महंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ की सीमेंट कंपनियां पूरी तरह से बेलगाम हो गई हैं। जब मर्जी होती है सीमेंट की कीमत बढ़ा देती हैं, जब मर्जी होती है कीमत कम कर देती हैं। प्रदेश सरकार ने दाम बढ़ाने से पहले कारण बताते हुए मंजूरी लेने के भी निर्देश दिए हैं, इसके बाद भी कंपनियां सरकार की इजाजत लिए बिना ही दाम बढ़ा दे रही हैं और फिर कम भी कर दे रही हैं। बीते चार माह से यही सब चल रहा है। बीते माह नवंबर में भी एक बार दाम बढ़ाए गए, इसके बाद हरिभूमि में खबर का प्रकाशन होने के बाद सरकार के एक्शन के डर से दाम कम किए गए। अब फिर से खुले बाजार के सीमेंट के दाम जहां 20 रुपए बढ़ाए गए हैं, वहीं सरकारी काम में आने वाले नॉन ट्रेड सीमेंट के दाम 40 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। खुले बाजार का सीमेंट जहां थोक में 270 से 300 रुपए हो गया है, वहीं यह चिल्हर में चिल्हर में यह 300 से 330 रुपए में बिक रहा है।

- चार माह से चल रहा है कीमत कम ज्यादा करने का बड़ा खेल

सीमेंट कंपनियों के दाम बढ़ाने पर प्रदेश सरकार का अंकुश नहीं है। यही वजह है कि कंपनियों की जब मर्जी होती है, दाम बढ़ा देती हैं। इस बार सितंबर में कंपनियों ने खुले बाजार के साथ ही नॉन ट्रेड सीमेंट के दाम 50-50 रुपए बढ़ा दिए थे। इसके बाद जहां हरिभूमि ने लगातार खबरों का प्रकाशन किया, वहीं चौतरफा राजनीतिक दबाव के बाद अंततः प्रदेश सरकार ने कंपनियों के साथ बैठक की। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के साथ बैठक में यह तय किया गया कि कंपनियां बढ़े हुए पूरे दाम वापस लेंगी और भविष्य में दाम बढ़ाने से पहले इसका कारण प्रदेश सरकार को बताते हुए पहले मंजूरी लेंगी।

दाम कम ज्यादा करने का खेल

सीमेंट कंपनियों ने बीते माह प्रदेश सरकार से पूछे बिना ही माह से तीसरे सप्ताह में दाम 5 से 15 रुपए तक बढ़ा दिए। इसके बाद जब हरिभूमि में खबर का प्रकाशन किया गया तो सीमेंट कंपनियों में इसको लेकर हड़कंप मच गया कि प्रदेश सरकार उन पर एक्शन ले सकती है। ऐसे में कंपनियों ने धीरे-धीरे करके अंततः बढ़े हुए 15 रुपए दाम वापस ले लिए। इसी के साथ कंपनियों ने पहले के बढ़े हुए 50 रुपए के दाम में से जो पांच रुपए बचे थे, उसको भी वापस ले लिया। इसी के साथ नॉन ट्रेड में भी पांच से दस रुपए दाम कम किए गए। अब वापस कंपनियों ने फिर से खुले बाजार के सीमेंट के साथ अब नॉन ट्रेड के भी दाम बढ़ा दिए हैं।

चिल्हर में दाम 330 तक

सीमेंट कंपनियों ने इस माह खुले बाजार के सीमेंट के दाम 20 रुपए बढ़ाए। बिल्डिंग मटेरियल का काम करने वाले इस समय अलग-अलग कंपनियों का सीमेंट थोक में 60 बोरी लेने पर 270 से 300 रुपए में बेच रहे हैं। इसमें तीन रुपए प्रति बोरी अनलोडिंग का शुल्क अलग है। इसी के साथ एक टन का भाड़ा भी दो सौ रुपए लिया जाता है। अगर कोई ग्राहक चिल्हर में दो से पांच बोरी सीमेंट ले रहा है तो उसके घर की दूरी के हिसाब से कीमत 330 रुपए तक भी पड़ रही है।

शालेय शिक्षक संघ प्रतिनिधिमंडल की शिक्षा सचिव के साथ बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शालेय शिक्षक संघ ने राज्यस्तरीय पदोन्नति के लिए डीपीआई द्वारा जारी वरिष्ठता सूची में हुई गम्भीर त्रुटियों को सामने लाते हुए उसे दूर कर जल्द पदोन्नति देने की मांग की है। संगठन की ओर से इसके लिए ज्ञापन के साथ त्रुटियों की सूची भी विभाग को सौंपी गई थी। इसी सिलसिले शिक्षा सचिव कार्यालय से आमंत्रण मिलने पर शालेय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल की शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, अवर सचिव आरपी वर्मा और उपसंचालक आशुतोष चावरे के साथ मंत्रालय में बैठक हुई। बैठक में प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे, महासचिव धर्मेश शर्मा तथा कार्यकारी प्रांताध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने इस मौके पर राज्यस्तरीय पदोन्नति के लिए जारी वरिष्ठता सूची की गंभीर त्रुटियों को दूर करने तथा प्राचार्य और व्याख्याता पद पर जल्द पदोन्नति देने की मांग रखी।

- प्राचार्य व व्याख्याता पद पर जल्द पदोन्नति हो

प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने बैठक के बाद बताया कि शिक्षा सचिव के साथ बैठक सार्थक रही। उन्होंने इन त्रुटियों को जल्द दूर कर प्राचार्य और व्याख्याता पदोन्नति शीघ्र करने का भरोसा दिलाया है। इसके साथ ही शिक्षक संगठनों से भी अपील की है, वे इन त्रुटियों को साक्ष्य सहित प्रस्तुत करें उस पर कार्यवाही जरूर होगी और उन गलतियों को दूर किया जायेगा।

कबीरपंथी साहू समाज का दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन 4 जनवरी से

रायपुर। छत्तीसगढ़ कबीरपंथी साहू समाज द्वारा दो दिवसीय 4 और 5 जनवरी को 14वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। साथ ही युवक-युवती परिचय सम्मेलन और परिचय पुष्प का विमोचन कार्यक्रम रखा गया है। यह कार्यक्रम विधानसभा भवन के पास ग्राम बरौदा में सुबह 9 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी समाज के प्रदेश अध्यक्ष कन्हैया लाल साहू ,महासचिव संतोष साहू व केंद्रीय मीडिया प्रभारी प्रेमनारायण चौधरी ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन शनिवार को सुबह 9 बजे ग्रामवासियों तथा अतिथियों द्वारा शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ अतिथि स्वागत एवं पदाधिकारियों का उद्बोधन, अतिथियों के स्वागत के साथ सामाजिक परिचर्चा, युवा सम्मेलन, प्रबुद्धजनों का सम्मान, समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान के साथ रात्रि 8 बजे से संगीतमय भजन का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन समस्त कबीरपंथी समाज के अतिथियों व संतजनों का पुष्पहार से स्वागत तथा पदाधिकारियों द्वारा उद्बोधन तथा समस्त ग्रामीण अंचलों से आए हुए भजन मंडलियों द्वारा भजन की प्रस्तुति दी जाएगी।

सिर पर परीक्षा, घर...

डागा गर्ल्स कॉलेज : प्राइवेट छात्रों को नोटिस भेजने अधिकार नहीं - यहां प्राइवेट स्टूडेंट्स के लिए भी कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। प्राइवेट फॉर्म भरने वाले अधिकतर विद्यार्थी कक्षाएं आ रहे हैं। कुछ ही छात्र ऐसे हैं, जो क्लास अटेंड नहीं कर रहे हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.संगीता घई ने बताया, नियमित छात्र यदि लंबे वक्त तक कक्षा से अनुपस्थित रहते हैं तो उन्हें अथवा उनके पालक को नोटिस भेजने का अधिकार महाविद्यालय प्रबंधन के पास होता है। स्वाध्यायी छात्रों के संदर्भ में ऐसी किसी व्यवस्था की जानकारी नहीं दी गई है। जो स्वाध्यायी छात्राएं आ रही हैं, हम उन्हें नियमित रूप से पढ़ा रहे हैं। ***महंत कॉलेज : हाइब्रिड मोड में कक्षाएं*** - स्वाध्यायी छात्रों के लिए भी नियमित रूप से कक्षाएं लगाने जाने संबंधित नियम के बाद कई महाविद्यालय जगह की कमी से जूझ रहे हैं। इनमें से कई कॉलेज ऐसे हैं, जो कक्षाएं संचालित ही नहीं कर रहे हैं। उन्होंने प्राइवेट स्टूडेंट्स के फॉर्म तो स्वीकार कर लिए हैं, लेकिन कक्षाएं संचालित नहीं कर रहे हैं। महंत महाविद्यालय में छात्रों की कक्षाएं ऑफलाइन सहित हाइब्रिड मोड में चल रही हैं।

पेज 11 के शेष ...

छग, डिग्री गर्ल्स व साइंस कॉलेज : यहां प्राइवेट परीक्षार्थी नहीं : छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, डिग्री गर्ल्स कॉलेज और विज्ञान महाविद्यालय ऑटोनॉमस हैं। यहां प्राइवेट छात्रों के लिए फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाते हैं। यही वजह है कि यहां केवल नियमित छात्रों की ही कक्षाएं संचालित हो रही हैं।

कार पार्किंग के लिए...

भू-राजस्व संहिता संशोधन विधेयक में कहा गया है कि अर्जन के अधीन भूमि का बटांकन, छोटे टुकड़ों में अंतरण एवं भूमि के प्रयोजन में परिवर्तन के कारण भूमि अर्जन की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस अप्रत्याशित विकास के परिणाम स्वरूप मूल भूमिस्वामी को समुचित लाभ होने के बजाय भूमि की खरीद-बिक्री में संलिप्त बिचौलियों और भू-माफियाओं द्वारा लाभ अर्जित किया गया है। वर्तमान समय में प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर त्वरित गति से संबंधित व्यक्ति को सूचना भेजना ताकि प्रकरण व मामलों के संबंध में सही समय पर समुचित जानकारी उपलब्ध हो। प्रकरण, मामलों का निपटान में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही आम नागरिकों को जमीन की खरीदी व बिक्री के बाद राजस्व रिकार्ड में सुधार करना सरल होगा। ***मेयर व अध्यक्ष के लिए राइट टू रिकॉल :*** इस विधेयक में महापौर एवं नगर पालिका अध्यक्ष को वापस बुलाने (राइट टू रिकॉल) का प्रावधान किया गया है। मेयर को वापस बुलाने के लिए निर्वाचित पार्षदों की कुल संख्या के कम से कम तीन चौथाई पार्षदों द्वारा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर न कर दिए जाएं और उसे संभागीय आयुक्त को प्रस्तुत न किया जाए। लेकिन यह उस स्थिति में होगा जब मेयर का कार्यकाल दो साल का हो जाएगा। यह प्रावधान नगर पालिक निगम के संशोधन विधेयक में कही गई है। इसी प्रकार नगर पालिका संशोधन विधेयक में बताया गया है कि पालिका के चुने हुए अध्यक्ष को वापस बुलाने के लिए कौन सी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसमें भी यही प्रावधान है कि निर्वाचित पार्षदों में से कम से कम तीन चौथाई पार्षदों द्वारा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर हों और उसे कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा। दोनों विधेयकों में आरक्षण की व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी गई है।

भाठागांव का नाम...

सदन में एमआईसी की बैठक में रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा की ओर से दिए गए नामकरण के पत्र को लाया गया। बैठक में पता चला कि भाठागांव का यह क्षेत्र रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी के क्षेत्र में आता है। वरिष्ठ एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन सहित अन्य सदस्यों ने इस पर ऐतराज करते हुए चर्चा के बाद प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया। महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि शहर के किसी भी पुराने स्थान का नाम हम ऐसे परिवर्तित नहीं कर सकते। भाठागांव नाम बदलकर किसी और के नाम से करने के प्रस्ताव का वार्डवासियों ने विरोध किया है। बुधवार को प्रातः 11.40 मिनट पर भाठागांव चौक पर पुतला दहन किया जाएगा।

हृदय की मुख्य...

कि राजधानी में रहने वाले 77 वर्षीय मरीज के हृदय की पंपिंग क्षमता कम हो गई थी। जांच में उसके हृदय की नसों में कैल्शियम का जमाव मिला था। वहीं भिलाई के 68 साल के मरीज को निजी अस्पताल में इस परेशानी की वजह से बाइपास सर्जरी कराने की सलाह दे दी गई थी। दोनों पेशेंट अपनी-अपनी समस्या के साथ इलाज के लिए एसीआई पहुंचे थे।

केवल शपथपत्र देकर ले सकेंगे दस बिस्तर के अस्पताल और क्लीनिक का लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नर्सिंग होम एक्ट के तमाम मापदंडों को पूरा करने का शपथ पत्र देकर दस बिस्तर के अस्पताल अथवा क्लीनिक का संचालन किया जा सकेगा। ऐसे अस्पतालों और तमाम विधाओं के क्लीनिक को स्वतः लाइसेंस प्राप्त हो जाएगा। 11 से 30 बेड वाले नर्सिंग होम को लाइसेंस देने तीन माह के भीतर सीएमएचओ की टीम द्वारा निरीक्षण अनिवार्य होगा अन्यथा उन्हें स्वतः पंजीकृत मान लिया जाएगा। तीस बिस्तर तक की क्षमता वाले छोटे निजी अस्पतालों को नर्सिंग होम एक्ट में राहत दी गई है।

- छोटे नर्सिंग होम को मिली एक्ट में राहत, पांच साल बाद पुन: पंजीयन

इसके लिए राज्य सरकार द्वारा क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट 2013 में पिछले दिनों संशोधन करते हुए सभी विधाओं के चिकित्सा संस्थानों को नियमों में छूट प्रदान की गई है। संशोधित नियम के अनुसार अब सभी पद्धति वाले क्लीनिक निर्धारित मापदंडों को पूरा करने का शपथपत्र देकर ऑनलाइन तरीके से लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे।

दूरवर्ती क्षेत्रों में विकसित होगी उपचार सुविधा

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि छोटे अस्पताल के लिए नर्सिंग होम एक्ट का सरलीकरण का लाभ स्वास्थ्य सेवा के विस्तार के रूप में मिलेगा। सुदूर इलाकों में इससे छोटे अस्पतालों की संख्या में विस्तार होगा और उपचार सुविधा विकसित होगी। आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डा. महेश सिन्हा, डा. विकास अग्रवाल और डा. अनिल जैन ने कहा, इससे 30 बिस्तर तक के अस्पतालों के पंजीयन में आसानी होगी।

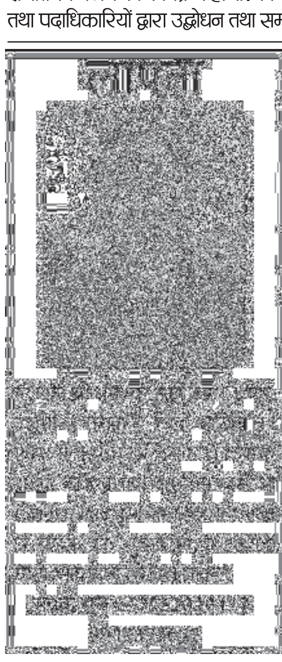

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल खरोरा तहसील खरोरा जिला रायपुर

//सूचना पत्र//

प्रति, जारी दिनांक 17/12/24

(1) संजीव जैन पि. रामस्वरूप जैन (2) धरमकुमार पि. अंबिका प्रसाद (3) अशोक कुमार पि. पुनुराम साहू (4) कार्तिक व. सुकालू (5) चम्मन लाल अग्रवाल व. गजानंद (6) दीपक अग्रवाल पि. नानकचंद अग्रवाल

विषय :- आवेदक उषा देवी अग्रवाल पति स्व. उमाशंकर निवासी रायपुर द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि ग्राम बुड़ेरा प.ह.नं. 47 रा.नि.मं. खरोरा तहसील खरोरा ख.नं. 1/8,1/9,1/12, 1/20, 1/21, 1/22, 1/23 रकबा 0.506, 0.506, 0.506, 0.506, 0.506, 0.506, 0.506 हे. भूमि के सीमांकन/बटांकन के संबंध में सूचना।

आपको सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयांतर्गत भूमि के सीमांकन जो कि विषयांकित आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय तहसीलदार खरोरा के आदेशानुसार आवेदक की भूमि का सीमांकन/ बटांकन दिनांक 27/12/24 को समय 12 बजे पश्चात मेरे द्वारा रखा गया है।

चूंकि आप सभी उल्लेखित खसरा नंबर के बटांकन धारी/ समीपस्थ भूमिस्वामी है इसलिए आपका उपस्थिति सीमांकन/बटांकन स्थल पर होना अनिवार्य है एवं सीमांकन/ बटांकन के संबंध में किसी भी प्रकार की दावा/ आपत्ति हो तो उल्लेखित तिथि को नियत समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। आपकी सूचना उपरान्त अनुपस्थिति में भी सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है तत्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

राजस्व निरीक्षक
तह.- खरोरा जिला-रायपुर

बैंक चेक गुमा

मैं हमीदा खान पति श्री नासीर खान उम्र 60 वर्ष न्यू शांति नगर रोड पंडरी रायपुर की निवासी हूं, दिनांक 15.12.2024 को मेरे स्वयं के फर्म साई मिल्क एण्ड फूड प्रोडक्ट का चेक, भारतीय स्टेट बैंक आफ इंडिया क्रमांक 683968 एवं 683967 आमानाका के आसपास गुम हो गया है। जिसकी सूचना बैंक में भी ऑनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से दे जा चुकी है। जिस किसी सज्जन को मिले तो नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें।

दिनांक 16/12/2024

धन्यवाद
हमीदा खान
पति श्री नासीर खान
साई मिल्क एण्ड फूड प्रोडक्ट्स
निवास न्यू शांति नगर रोड,
पंडरी रायपुर
(छ.ग.) 492001

आवश्यकता हैं

घर पर आवश्यक कार्य, झाडू पोछा, बर्तन, कपड़ा, साफ सफाई हेतु मेड की आवश्यकता है.
कार्य का समय :- 12 घंटे
स्थान :- बैरन बाजार, रायपुर.
नोट :- बैरन बाजार के आस पास के ही सम्पर्क करें.
- संपर्क -
मो. 93013-94217

न्यायालय नायब तहसीलदार समोदा
मामले की श्रेणी: राजस्य

संदर्भः जिला रायपुर तहसील आरंग प.ह.न.00009 सकरी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक RD202425440213300001

ईश्तहार

तहसील आरंग के प.ह.न. 00009 के अंतर्गत ग्राम सकरी के वर्तमान भूमिस्वामी ऐरीना पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी कमलेश्वरी पिता/पति झालाराम पता- निवासी ग्राम सकरी अंचलमित्र पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी. ना.बा.वली मां तोषी पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी हिराबाई पिता/पति- रामबगस पता निवासी ग्राम सकरी चिंतेश्वरी पिता/पति झालाराम पता- निवासी ग्राम सकरी मृणाली पिता/पति जगदीश पता निवासी ग्राम सकरी चितेरा पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी मयूरी पिता/पति जगदीश पता- निवासी ग्राम सकरी जागेश्वर पिता/पति रामबगस पता निवासी ग्राम सकरी माधवी पिता/पति जगदीश पता निवासी ग्राम सकरी जानकीबाई पिता/पति रामबगस पता- निवासी ग्राम सकरी मानकीबाई पिता/पति रामबगस पता निवासी ग्राम सकरी तोषी पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी हेमलेश्वरी पिता/पति- झालाराम पता- निवासी ग्राम सकरी ना.बा. चैतन्या पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी सावित्रीबाई पिता/पति जगदीश पता- निवासी ग्राम सकरी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 768(0.0300), 771(0.0200), 1091/1(0.3000), 1129(0.1600) में प्रस्तावित भूमिस्वामी / फ्रेता तोषी पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी हेमलेश्वरी पिता/पति झालाराम पता निवासी ग्राम सकरी ना.बा.वली मां तोषी पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी हिराबाई पिता/पति रामबगस पता- निवासी ग्राम सकरी अंचलमित्र पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी मृणाली पिता/पति जगदीश पता- निवासी ग्राम सकरी रमेश बघेल पिता/पति चम्मन लाल बघेल पता, चितेश्वरी पिता/पति झालाराम पता निवासी ग्राम सकरी मयूरी पिता/पति जगदीश पता- निवासी ग्राम सकरी चितेरा पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी माधवी पिता/पति जगदीश पता- निवासी ग्राम सकरी जागेश्वर पिता/पति रामबगस पता निवासी ग्राम सकरी मानकीबाई पिता/पति रामबगस पता- निवासी ग्राम सकरी ना.बा. चैतन्या पिता/पति महेन्द्रकुमार पता- निवासी ग्राम सकरी सावित्रीबाई पिता/पति जगदीश पता- निवासी ग्राम सकरी, ऐरीना. पिता/पति महेन्द्रकुमार पता निवासी ग्राम सकरी कमलेश्वरी पिता/पति झालाराम पता- निवासी ग्राम सकरी के नाम पर पंजीयन / फौती होने के उपरांत नामांतरण /अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06/01/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार समोदा पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं /अधिवक्ता /आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/12/2024 को जारी किया जाता है। **नायब तहसीलदारः**
मुहर **GAJANAND SIDAR**
आरंग

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवा रायपुर, अटल नगर रायपुर सेक्टर - 29 में स्वतंत्र भवन क्रमांक - एच.आई. जी-1/321 को श्री विनोद चावड़ा पिता स्व. श्री गोविन्द भाई चावड़ा, पताः- एम.आई.जी. - 706, पद्मनाभपुर दुर्ग, तहसील व जिला - दुर्ग (छ.ग.) के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर उक्त भवन का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। श्री विनोद चावड़ा पिता स्व. श्री गोविन्द भाई चावड़ा की मृत्यु दिनांक 09.08.2021 को हो गया है। श्री दीपक चावड़ा पिता स्व. श्री गोविन्द भाई चावड़ा एवं श्री भरत चावड़ा पिता स्व. श्री गोविन्द भाई चावड़ा ने अपने भाई श्री विनोद चावड़ा पिता स्व. श्री गोविन्द भाई चावड़ा की मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया

उक्त भवन को श्री दीपक चावड़ा पिता स्व. श्री गोविन्द भाई चावड़ा एवं श्री भरत चावड़ा पिता स्व. श्री गोविन्द भाई चावड़ा के नाम पर नामांतरण करने में किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। **संपदा अधिकारी**

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर जिला-रायपुर(छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर
मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भ- जिला रायपुर तहसील रायपुर प.ह.नं. 00067 पुरेना ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक RD202425440725300078

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.नं. 00067 के अंतर्गत ग्राम पुरेना के वर्तमान भूमिस्वामी सीमा कौर पति अरविंदपाल सिंग, पिता/पति अरविंदपाल सिंग व. थानसिंग पता गैलेक्सी रेसीडेंसी, अमलीडीह रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 251/19(0.0080) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता ना.बा. आरोम्य यादव पिता/पति ओमप्रकाश कुमार वली माता आरती यादव पति ओमप्रकाश कुमार पता-पुरैना रायपुर छत्तीसगढ़, आरती यादव पिता/पति ओमप्रकाश कुमार पता-पुरैना रायपुर छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08/01/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/12/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
मुहर Jyoti Singh
रायपुर

// सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स मे. अविनाश डेव्लपर्स प्रा. लिमिटेड को उनके द्वारा प्रस्तावित क्षेत्र / ग्रामः - लाभांडिह, तहसील एवं जिलाः- रायपुर (छ.ग.) में खसरा क्र. 229/59 एवं 229/157 कुल क्षेत्रफल 0.539 हेक्टेयर पर प्रस्तावित मल्टीस्टोरी कॉमर्शियल तथा ऑफिस कॉम्पलैक्स कुल बिल्टअप क्षेत्रफल 29,288.21 वर्गमीटर हेतु स्टेट लेवल इन्वायरमेंट इम्पैक्ट एसेसमेंट अथॉरिटी (छ.ग.), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत शासन के पत्र क्रमांकः ओ.एल./ ई.सी./ एम.आई.एन./ रायपुर/3403 तथा ई.सी. संख्याः ई.सी. 24सी3802 सी.जी. 400986एन दिनाँकः- 16.12.2024 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृती प्रदान की गई है, जिसका अवलोकन मुख्य कार्यालय इन्दिरा पर्यावरण भवन, जोरबाग रोड, नई दिल्ली- 3 तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत शासन के वेबसाइट [parivesh.nic.in] पर किया जा सकता है एवं इसकी प्रतिलिपी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के मुख्य कार्यालय पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के क्षेत्रीय कार्यालय, न्यू ऑफिस बिल्डिंग, रिंग रोड क्र. 2, टाटीबंध, रायपुर (छ.ग.) में भी उपलब्ध है।

हेतु, मे. अविनाश डेव्लपर्स प्रा. लिमिटेड,
(प्राधिकृत हस्ताक्षरी)

Health Town

K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुर्वेद, स्वस्थ्य जीवन का राज)
वैद्य-डॉ.पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob.: 9111922122, 9111912122,0771-3558564
पता :- B-22 जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)
उपलब्ध पंचकर्म
- बस्ति
- उत्तर बस्ति
- जानु बस्ति
इत्यादि।

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

सेहत का रखें ख्याल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का ख्याल रखना पहले से कहीं अधिक ज़रूरी हो गया है। बेहतर स्वास्थ्य ही एक खुशहाल और सफल जीवन की नींव है। कई बार हम अपने काम या व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के कारण खुद की सेहत को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, लेकिन यह भूलना नहीं चाहिए कि शरीर स्वस्थ होगा, तभी हम जीवन की हर चुनौती का सामना कर पाएंगे। नियमित रूप से डॉक्टर से सलाह लेना और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाना, एक स्वस्थ जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए।नियमित स्वास्थ्य जांच क्यों है ज़रूरी?रोज़मर्रा की जिंदगी में हम कई तरह के शारीरिक और मानसिक तनाव से गुजरते हैं। ऐसे में शरीर में कई बार छोटी-छोटी समस्याएं जन्म ले लेती हैं, जिन्हें हम अक्सर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। यही समस्याएं आगे चलकर बड़ी बीमारियों का रूप ले सकती हैं। समय रहते इनका पता चल जाए तो इलाज आसान और कम खर्चीला हो सकता है। नियमित स्वास्थ्य जांच से हमें यह पता चलता है कि हमारे शरीर के अंदर सब कुछ सही तरीके से काम कर रहा है या नहीं।स्वस्थ जीवनशैली अपनाएंस्वस्थ जीवन के लिए सही खानपान, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद का होना बहुत ज़रूरी है। फास्ट फूड, अधिक तेल-मसाले वाला खाना और अनियमित खानपान से बचें। फल, सब्जियां, प्रोटीन युक्त आहार और खूब पानी पीने से शरीर स्वस्थ रहता है। रोज़ाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करना, योग करना, या सैर पर जाना, शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखता है। इसके अलावा 7-8 घंटे की पूरी नींद लेना भी सेहत के लिए लाभदायक है।बीमारी के लक्षणों को न करें अनदेखाअक्सर लोग छोटी-मोटी परेशानियों को हल्के में ले लेते हैं। सिरदर्द, शरीर में दर्द, थकान, बुखार, भूख न लगना, पेट में गड़बड़ी जैसे लक्षणों को गंभीरता से लेना चाहिए। अगर ये समस्याएं लंबे समय तक बनी रहती हैं तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। खुद से दवाइयां लेने या घरेलू नुस्खों पर निर्भर रहने की बजाय विशेषज्ञ की राय लेना बेहतर होता है।मानसिक स्वास्थ्य का भी रखें ख्यालशारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बेहद आवश्यक है। तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं आजकल आम हो गई हैं। इनसे बचने के लिए मेडिटेशन करें, सकारात्मक सोच अपनाएं और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लें।

स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठाएं अचानक होने वाली स्वास्थ्य समस्याएं कभी-कभी आर्थिक संकट भी पैदा कर सकती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक सुरक्षित विकल्प है। यह न सिर्फ आपको और आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि आप समय पर डॉक्टर से परामर्श लेने और इलाज कराने के लिए प्रेरित भी करता है।नियमित चेकअप और डॉक्टर की सलाह को आदत बनाएंहर व्यक्ति को अपनी उम्र, जीवनशैली और स्वास्थ्य के हिसाब से समय-समय पर जरूरी टेस्ट करवाने चाहिए। जैसे कि ब्लड प्रेशर, शुगर, कोलेस्ट्रॉल, हड्डियों की जांच, आंखों की जांच आदि। डॉक्टर की सलाह और नियमित चेकअप से आप गंभीर बीमारियों को समय रहते पहचान सकते हैं और उनका इलाज करवा सकते हैं।सेहत हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। इसे नज़रअंदाज़ करना, अपने भविष्य को खतरे में डालने के समान है। इसलिए, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नियमित व्यायाम करें, संतुलित आहार लें और किसी भी तरह की शारीरिक या मानसिक समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। याद रखें, "स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।"

CONTACT FOR ADVT - 7987119756

खबर संक्षेप

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने स्वर्णप्राशन आज

रायपुर। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने 18 दिसम्बर को रायपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाएगा। विभिन्न रोगों से रोकथाम एवं इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बच्चों को पांच दवाईयों से बने बाल रक्षा किट भी वितरित किए जाएंगे। स्वर्णप्राशन के लिए आने वाले बच्चों के माता-पिता का देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के तहत प्रकृति परीक्षा भी की जाएगी। हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है। चिकित्सालय के कौमारभृत्य बाल रोग विभाग में सवेरे नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक इसका सेवन कराया जाता है।

वेंकटेश्वर सिग्नेचर स्कूल का वार्षिकोत्सव कल

रायपुर। राजधानी के वेंकटेश्वर सिग्नेचर स्कूल का वार्षिकोत्सव यूफोनी 2024 का आयोजन 19 दिसंबर को विद्यालय परिसर में आयोजित है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन स्वामी गौर गोपाल दास के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस बार के वार्षिकोत्सव में अम्मा थीम पर शाला के विद्यार्थी नृत्य, संगीत नाटक और कविताओं के माध्यम से विशेष प्रस्तुति देंगे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सौम्या रघुबीर, चेयरमैन डॉ. अंकुर ढिल्लो ने मंगलवार को संयुक्त पत्रकारवार्ता में इसकी जानकारी दी। पत्रकारों से चर्चा में डॉ. सौम्या रघुबीर ने बताया कि गौर गोपालदास का प्रेरणादायक उद्बोधन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा। यह आयोजन माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बनने वाला है।

जयंती पर सकरी में आज निकलेगी शोभायात्रा

रायपुर। सतनामी समाज द्वारा ग्राम सकरी बाराडेरा में 18 दिसंबर को बाबा गुरु घासीदास की जयंती मनाई जाएगी। इसी दौरान भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। ग्राम सकरी सतनामी समाज के अध्यक्ष संतराम नारंग ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान झांकी सहित धमाल व पंथी नृत्य की विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद रात्रिकालीन में रंगारंग कार्यक्रम भी किया जाएगा। यह कार्यक्रम सतनामी समाज विकास समिति के सहयोग से किया जा रहा है।

सप्ताहभर कम होगा ठंड का प्रकोप, चौबीस घंटे में दो डिग्री चढ़ा शहर का पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जोरदार असर दिखाने के बाद अब ठंड का प्रकोप सप्ताहभर तक कम होने की संभावना है। राजधानी रायपुर में शीतलहर की स्थिति टल गई है और चौबीस घंटे में तापमान दो डिग्री चढ़ गया है। पश्चिमी विक्षोभ का सरगुजा संभाग के ठंड पर कोई खास प्रभाव नहीं होगा, मगर शीतलहर की स्थिति में कमी आएगी।

पिछले चौबीस घंटे में बलरापुर और अंबिकापुर में हड्डियां जमा देने वाली ठंड का असर रहा। दोनों इलाकों में सुबह के वक्त मैदान और पौधों पर पाला जमा रहा और दोनों शहरों में तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। सीमावर्ती क्षेत्र होने की वजह इन इलाकों में आने वाले दिनों में ठंड का असर जारी रहेगा, मगर शीतलहर का प्रभाव कुछ हिस्से से कम होगा।

शेष इलाकों में न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने से ठंड का प्रकोप कम होगा। दुर्ग के कुछ हिस्सों को छोड़कर अन्य इलाके, रायपुर तथा जगदलपुर संभाग में रात के तापमान में वृद्धि होने लगी है। इस तरह की स्थिति सप्ताहभर रहने की संभावना है, क्योंकि आने वाले वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से हवा की दिशा बदलने की संभावना है।

सरगुजा में नहीं होगा कोई खास बदलाव, शीतलहर के क्षेत्रों में आएगी कमी

नमी के असर से बादल

बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के असर से बादल छाने की संभावना बन रही है। अगले पांच दिनों तक बस्तर के साथ महासमुंद, रायगढ़ जिले में भी कुछ एक क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। अगले तीन दिन तक तापमान में बढ़ोतरी होगी इसके बाद उतार-चढ़ाव रहने की वजह से ठंड का प्रभाव कम अथवा ज्यादा रहने की उम्मीद है।

प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान

रायपुर	11.8	-1
माना	9.4	-3
बिलासपुर	9.6	-3
पेंड्रा	6.6	-4
अंबिकापुर	3.8	-4
जगदलपुर	9.5	-1
दुर्ग	8.2	-5

21 दिसंबर को होगी सबसे लंबी रात

ठंड के इस मौसम में 21 दिसंबर की रात सबसे लंबी होगी और दिन की लंबाई काफी छोटी होती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पृथ्वी के अपनी धुरी पर आवर्तन के दौरान साल में एक दिन 21 दिसंबर को ऐसा समय है, जब दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य की धरती से दूरी सबसे ज्यादा होती है। इसी तरह 21 जून को दिन का सबसे लंबा दिन गुजरता है। वहीं 23 सितंबर को दिन और रात की लंबाई बराबर होती है।

पानी और सफाई जैसी अत्यावश्यक सेवा छोड़ अन्य कार्य प्रभावित

निगम और जोन दफ्तर सूने, निगम के कर्मचारी अधिकारी सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर नगर निगम के 10 जोन और निगम मुख्यालय दफ्तर में नियमित और प्लेसमेंट कर्मचारी व अधिकारी एक दिन का सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल पर रहे। छत्तीसगढ़ नगरीय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर 3 सूत्रीय मांगों को लेकर नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर काम ठप कर धरना दे रहे कर्मचारियों का समर्थन करने कर्मचारी अधिकारी तूता के धरना स्थल पहुंचे। और निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए आंदोलन में शामिल हुए। शहर में पानी और सफाई छोड़ नगर निगम की अन्य सेवाओं पर हड़ताल कर असर देखा गया।

प्रदेश के 184 नगरीय निकायों के नियमित, प्लेसमेंट और स्वच्छता दीदी संयुक्त मोर्चा नगरीय निकाय महासंघ के बैनर तले नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर निकाय के कर्मचारी मंगलवार को डटे रहे। धरना स्थल पर रैली निकालकर रायपुर नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपना समर्थन दिया। राजधानी के सभी 10 और निगम मुख्यालय में वीरानी छाई रही। रायपुर में करीबन 4500 प्लेसमेंट कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसके चलते शहर की जनता को अपने कामकाज कराए बिना ही लौटना पड़ा।

रायपुर नगर निगम के कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद जाधव ने मंच पर अपने उद्बोधन में कहा कि रायपुर नगर निगम और सभी जोन के कर्मचारी संयुक्त मोर्चा महासंघ के हड़ताल का पूर्ण समर्थन करता है। हम इस हक की लड़ाई में आपके साथ हैं। कलेक्टर कार्यालय में निकाय के आरक्षण संबंधित कार्यक्रम होना था उसे प्रशासन को स्थगित करना पड़ गया है, क्योंकि पूरे प्रदेश के निकाय कर्मचारी हड़ताल पर हैं।

खास बातें

- निगम मुख्यालय के सामने किया प्रदर्शन
- बस में बैठकर निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों की हड़ताल को समर्थन देने तूता पहुंचे

प्राचार्य, व्याख्याता पदोन्नति को लेकर इंद्रावती भवन के सामने नारेबाजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्राचार्य एवं व्याख्याता पदोन्नति फोरम के आव्हान पर प्रदेशभर के व्याख्याता और मिडिल स्कूल के प्रधानपाठकों ने मंगलवार को इंद्रावती भवन के सामने नारेबाजी कर आक्रोश रैली निकाली। पिछले दस वर्षों से प्राचार्य एवं व्याख्याता पद की पदोन्नति शासन स्तर पर लंबित है। जबकि प्रदेश में 3500 पद प्राचार्य और 8000 व्याख्याता के पद रिक्त हैं। प्रदेश के 80 फीसदी विद्यालय प्राचार्य विहीन हैं।

प्रदेश भर के प्राचार्य और व्याख्याताओं ने इंद्रावती भवन में प्रभारी संचालक डॉ. योगेश शिवहर को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद बड़ी संख्या में शिक्षक रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए मंत्रालय पहुंचे। मंत्रालय में मुख्य सचिव और सचिव स्कूल शिक्षा को ज्ञापन देकर शीघ्र पदोन्नति की मांग की गई। फोरम के ज्ञापन में सरकार को एक माह का समय देते हुए कहा कि यदि महीने भर में प्राचार्य पदोन्नति के आदेश जारी नहीं हुए तो प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा। मंगलवार को हुई शिक्षक सभा को छत्तीसगढ़ शिक्षक कांग्रेस संघ के प्रांताध्यक्ष अनिल शुक्ला, व्याख्याता संघ के प्रांताध्यक्ष राकेश शर्मा, महामंत्री राजीव वर्मा, वरिष्ठ व्याख्याता संघ के प्रांतीय संयोजक श्याम कुमार वर्मा, प्रांताध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र गिलहरे, प्रधानपाठक मंच के शिरीष तिवारी, संजीव बल्लाल, मलखम वर्मा ने सभा को संबोधित किया।

ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस नेशनल कांफ्रेंस 20 से, देशभर से वक्ता होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के वीआईपी रोड स्थित हॉटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में 20 से 22 दिसंबर तक 46वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेस का शुभारंभ 20 तारीख को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। इस मौके पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, मंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमनसिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। समापन समारोह में राज्यपाल रमन डेका विशेष रूप से शामिल होंगे।

पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के रायपुर चैप्टर चेयरमैन डॉ. शाहिद अली, सचिव कुमार सिंह टोप्पा ने मंगलवार को संयुक्त पत्रकारवार्ता में इसकी जानकारी दी।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. शाहिद अली ने बताया, आयोजन में देशभर से 200 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल होंगे। राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता के रूप में देशभर से 20 वक्ता अलग-अलग विषयों पर उद्बोधन के लिए आमंत्रित हैं। इस मौके पर आत्म निर्भर भारत, उभरता भारत, कौशल विकास, कार्पोरेट सामाजिक उत्तर दायित्व और मीडिया संचार रणनीति सहित अन्य विषयों पर चर्चा होगी। पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के रायपुर चेप्टर के इस आयोजन में गरिमामय मंच से पांच चुनिंदा हस्तियों को गौरव पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें पहला गौरव पुरस्कार हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, दूसरा पुरस्कार गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार चक्रवाल, इसके अलावा अंचल के जाने-माने कबीर भजन गायक पदमश्री भारती बंधु, मशहूर फिल्म निर्देशक अनुराग बसु और कीर्ति सिसोदिया को दिया जाएगा।

- राष्ट्रीय मूल्य अंतर्राष्ट्रीय दक्षता और मीडिया की भूमिका पर होगी चर्चा
- तीन दिवसीय आयोजन, 20 दिसंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे शुभारंभ

डामरीकरण सड़क निर्माण के लिए भूमिपूजन

रायपुर। शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड क्रमांक 60 के जोगीनगर, संतोषी नगर में 26 लाख 48 हजार के लागत से बनने वाले डामरीकरण सड़क निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया।

इस भूमिपूजन में रायपुर दक्षिण विधानसभा नवनिर्वाचित विधायक सुनील सोनी, वार्ड पार्षद सावित्री जयमोहन साहू, महेंद्र साहू, शांता प्रसाद यादव, धनेश्वरी साहू, रेखा अग्रवाल, दामिनी चंद्राकर, चंदू साहू, शेखर धीवर, राम, संगमा, पवन पवार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजनेस साइट

रायपुर में सूत्रा का फैशन और लाइफस्टाइल एग्जीबिशन आज से

रायपुर। फैशन और लाइफस्टाइल के शौकीनों के लिए एक शानदार अवसर हैं, क्योंकि सूत्रा की स्पेशल प्रदर्शनी आज से रायपुर के द ट्राइटन बाय श्यामा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में शुरू हो रही है। यह प्रदर्शनी 18 से 20 दिसंबर तक चलेगी और फैशन प्रेमियों के लिए एक खास अनुभव साबित होगी। सूत्रा की यह प्रदर्शनी हमेशा की तरह ट्रेंडिंग फैशन और लेटेस्ट डिज़ाइनर कलेक्शन से सजी होगी, जिसमें कपड़े, ज्वेलरी, फुटवियर, क्लचेस और मैचिंग एसेसरीज जैसी सभी चीजें मौजूद रहेंगी। खास बात यह है कि इस बार सूत्रा फैशन और लाइफस्टाइल एग्जीबिशन लेकर आ रहा है, जिसमें इंडियन और वेस्टर्न वियर, ज्वेलरी, फुटवियर और एसेसरीज का बेहतरीन कलेक्शन प्रदर्शित होगा, जिसे देश के प्रमुख डिजाइनर्स ने खासतौर पर तैयार किया है।

महिला की मौत, तीन माह बाद भी जांच अधूरी परिजनों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पचपेढ़ी नाका स्थित एमएमआई नारायणा हास्पिटल में लापरवाही की वजह से भारती देवी खेमानी की मौत के मामले में तीन माह बाद भी जांच पूरी होने पर नाराज परिजनों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि मामले में जांच के लिए स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर जांच कमेटी का गठन किया गया था मगर अब तक उनकी जांच अधूरी है। मामले में रिपोर्ट नहीं मिलने की वजह से पुलिस भी कार्रवाई नहीं कर पा रही है। काफी वक्त गुजरने के बाद भी आरोप तय नहीं होने पर खेमानी परिवार के सदस्यों ने नगर घड़ी चौक पर तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। इस मामले में जांच रिपोर्ट विभिन्न कारणों से प्रशासनिक स्तर पर लंबित होने की बात सामने आ रही है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

हरिभूमि लाइव

रायपुर, बुधवार 18 दिसंबर 2024

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

युवाओं की बदली सोच...शादी से पहले ....

सिटी इवेंट

प्लेसमेंट साक्षात्कार में छात्रों ने दिखाई योग्यता, सात कंपनियों को मिले युवा एम्प्लाई

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास कॉलेज में ओरियन एजूकेशन सोसाइटी के बीच हुए समझौते के तहत प्लेसमेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य यूजी और पीजी छात्रों को प्रमुख कंपनियों में रोजगार के अवसर प्रदान करना रहा।। कार्यक्रम में कुल 7 प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल हुईं, जिनमें एयू लघु वित्त बैंक, एफ एंड बी सेवाएं, एमपीजीएम संरचनाएं और डेवलपर्स, टेक्नोटास्क बिजनेस सॉल्यूशंस, समवेत सृजन, ओरिटेक सॉल्यूशन, और क्वेस कॉर्प प्रा. लिमिटेड ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इन कंपनियों ने छात्रों के लिए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार आयोजित किए, जिससे उन्हें रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में कॉलेज के यूजी और पीजी छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

छात्रों को मिला कॅरियर मार्गदर्शन

प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने सभी विद्यार्थियों को अच्छे कॅरियर और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए प्रेरित किया। मोटिवेशनल स्पीकर सुश्री कोमल व्यास ने छात्रों को कॅरियर मार्गदर्शन दिया और उन्हें उनके कॅरियर के लिए उपयुक्त दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने छात्रों को व्यावसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल, रणनीतियां और मानसिकता के बारे में बताया। यह कार्यक्रम महंत लक्ष्मीनारायण दास कॉलेज के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ, जिसने उन्हें न केवल रोजगार के अवसरों में अवगत कराया, बल्कि उनके कॅरियर को नई दिशा भी दी।

पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 'रामलला की माता' का नाट्य मंचन, बताया कैकेयी और मंथरा का योगदान

माता कैकेयी ने भरत से अधिक राम से किया प्रेम, निःस्वार्थ प्रेम के कारण मां कौशल्या ने वनवास जाने से नहीं रोका

कैकेयी और मंथरा को युगों युगों तक कलंक का वनवास दे दिया...आज भी कोई माता-पिता अपने बच्चों का नाम कैकेयी और मंथरा नहीं रखना चाहते। राजा राम को मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम की उपाधि तक के सफर में कैकेयी और मंथरा का पूर्ण योगदान है। मां की ममता ने प्राण से भी अधिक प्यारे रामलला को अपने से दूर 14 वर्ष के लिए वनवास भेज दिया। अपने पुत्र भरत से भी अधिक प्रेम राम को दिया, जिसके लिए कलंक जैसा श्राप भी खुशी-खुशी अपने नाम कैकेयी मां ने स्वीकार किया है।

रायपुर। रविशंकर महाराज के प्रेरणादायी विचारों पर आधारित संगीत नाटक 'रामलला की माता' ने दर्शकों को एक अनोखे अनुभव से रूबरू कराया। इस नाटक में रामायण की चर्चित पात्र कैकेयी और मंथरा की भूमिका को एक नए दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया। पंकज मणि द्वारा लिखित और निर्देशित नाटक को बेंगलुरु आश्रम थिएटर के 18 कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। नाटक में हास्य, राजनीतिक व्यंग्य और संगीत से दर्शकों को 3 घंटे बांधे रखा। थिएटर के कलाकारों द्वारा रामलला की माता नाटक का मंचन 43वां शो राजधानी में किया गया। नाटक के मुख्य किरदार के पात्र मंथरा, कैकेयी और कौशल्या ने हरिभूमि से चर्चा की। जिन्होंने नाटक और उनके किरदारों के अनुभव को साझा किया।

नाटक का सारांश

राजा दशरथ के पुत्र राम को भगवान की उपाधि तक पहुंचाने के सफर का मंचन नाटक में देखने को मिला। जहां कैकेयी के पिता और देवों द्वारा रचित इस पुराण में कैकेयी और मंथरा का योगदान रहा, जिसमें अपने कोमल एवं ममतामयी स्वभाव के विपरीत जाकर राम को वनवास भेजने के योजना में शामिल हो गईं कैकयी एक ऐसी पात्र हैं, जो संपूर्ण विश्व के कल्याणभाव के साथ रहती हैं। इसमें समाज में अपना छवि कलंक के तौर पर निर्माण कर राम को अन्य लोगों की मुक्ति और कल्याण के लिए वनवास भेजने की योजना में शामिल हुईं। नाटक में माता सरस्वती का भी किरदार निभाया गया है, जो एक विशेष किरदार के रूप में शामिल हुईं।

इन्होंने निभाए किरदार

पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में शाम 7.30 बजे से आयोजित नाटक का मंचन देर रात तक किया गया। जहां दर्शकों के लिए कैकेयी और मंथरा का पात्र आकर्षण का केंद्र रहा। नाटक का आयोजन छत्तीसगढ़ आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान द्वारा किया गया। नाटक के सूत्रधार विकास विनीत, वाद्ययंत्र पर नरेश कुमार, निप्रेण दास, गायक अभिषेक पांडे, मां सरस्वती की भूमिका सृष्टि श्रीवास्तव, मंडली कलाकार सौरभ पांडे और रमिंदर सिंग, मंथरा आकांक्षा, कौशल्या आस्था श्रीवास्तव, कैकेयी अनघा करविर ने निभाई। नाटक का प्रारंभ संगीत के साथ जोशीले अंदाज में किया गया। जहां राम सियाराम, सियाराम जय जय राम...भजन के साथ संपूर्ण नाटक का वाचन किया गया।

माता कौशल्या का सरल भाव

अगर राजा दशरथ ने स्वयं राम को वनवास जाने की आज्ञा दी होती तो मैं अयोध्या राज्य की पटरानी इस आज्ञा को पलट सकती हूं...जो मेरा अधिकार भी है और गौरव भी...किंतु यह आज्ञा माता कैकेयी ने दी है, तेरा कल्याण होगा पुत्र...यह शब्द माता कौशल्या के हैं। जिन्होंने 14 वर्ष के वनवास की आज्ञा देने के पश्चात राम से कहा था। माता कैकेयी ने अपने पुत्र भरत से अधिक प्रेम राम को किया है, इस निस्वार्थ प्रेम के कारण ही माता कौशल्या ने राम को वनवास जाने से नहीं रोका। एक मां कभी भी अपने बच्चों का बुरा नहीं सोच सकती। नाटक में यह कौशल्या की भावना है, जो कैकेयी और राम को लेकर रही। श्री राम अपने 14वर्ष का वनवास पूर्ण कर सबसे पहले कैकेयी माता के दर्शन के लिए पहुंचे थे।

मेरा प्यारा राम

गुरु, अगर यह मेरा कलंक मेरे राम के माथे का तिलक बन जाए तो यही सही है... यह बात रामायण के अयोध्या कांड से ली गई है। जिसमें माता कैकेयी ने अपने भाव प्रकट किए। नाटक में कैकेयी का किरदार कलाकार अनघा करविर द्वारा निभाया गया। चर्चा के दौरान कलाकार ने कहा, कैकेयी का पात्र अपने आप में चुनौतियों से भरा है, जिसमें कैकेयी राम के लिए अपने आप को समाज के सामने बुरा साबित करने से नहीं डरती...कैकेयी का स्वभाव बचपन से कोमल रहा, जो अपने पिता, मां सरस्वती और अन्य देवी-देवताओं के कहने पर योजना में शामिल हुईं।

लाइव इवेंट

भारत में बढ़ रहे मधुमेह के मामले बच्चों में फास्ट फूड से अनेक समस्या

रायपुर। छत्तीसगढ़ ओबेसिटी, डायबिटीज, एंडोक्राइन सोसाइटी और एम्स के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एम्स के एंडोक्रिनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज्म विभाग के सहयोग से दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन-कोडकॉन का संचालन किया गया। सम्मेलन में स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रकार के विषय विकारों पर चर्चा की गई, जिसमें मधुमेह का प्रबंधन, गर्भावस्था में मधुमेह, थायरॉयड परीक्षण के विकार, ऑस्टियोपोरोसिस, हाइपरपैराथायरायडिज्म, मोटापा, फैटी लीवर रोग, हार्मोनल संबंधित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। सम्मेलन के दौरान उपरोक्त क्षेत्रों में चुनौतीपूर्ण मामले जैसे मधुमेह एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विषय विशेष संगोष्ठी की गई। इस अवसर पर स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

मोटापा, मधुमेह बड़ी समस्या

सम्मेलन के दौरान अन्य राज्यों से भी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने अपने विचार विशेषज्ञों के साथ साझा किए। इनमें मुख्य अतिथि एम्स कार्यकारी निदेशक ले. जनरल अशोक जिंदल रहे। उन्होंने संबोधन में कहा, भारत में मधुमेह के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके अलावा बच्चों में मोटापे में तेजी, मानसिक रूप से तनाव, फास्ट फूड से अनेक समस्याएं प्रारंभ हो रही है, जिससे बचाव के लिए बच्चों में स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता जरूरी है। इसमें स्वस्थ जीवनशैली और शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशिष्ट एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. कल्पना दाश और डॉ. तरुण मिश्रा द्वारा की गई, जिन्होंने मोटापा, मधुमेह और एंडोक्राइनोलॉजी के क्षेत्र में जागरूकता, शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जानकारी साझा की।

प्राचीन पुस्तकें विरासत और इतिहास को जानने महत्वपूर्ण

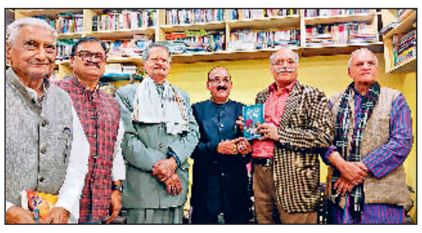

रायपुर। प्राचीन पांडुलिपियों पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव बावनकर ने कहा कि प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण भारतीय ज्ञान परंपरा के पोषण के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भोपाल में दस से अधिक संग्रहालय काम कर रहे हैं। दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में एक हजार से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियां हैं। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ इतिहासविद डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र ने की। छत्तीसगढ़ की सौ से अधिक पांडुलिपियों का संग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के रियासतों में आज भी संपन्न ग्रंथालय हैं, जिनमें रायगढ़, सारंगढ़, खैरागढ़, जशपुर और बस्तर शामिल हैं। डॉ. सुशील त्रिवेदी ने कहा कि विरासत और इतिहास को जानने के लिए प्राचीन पुस्तकें महत्वपूर्ण हैं। गिरीश पंकज ने साहित्य की पांडुलिपियों की महत्ता बताते हुए छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष में इस दिशा में कुछ भी काम नहीं होने पर चिंता जताई। गोष्ठी में अशोक तिवारी, स्मिता अखिलेश, सुरेंद्र रावल, राजेन्द्र ओझा, डॉ. मृणालिका ओझा, माणिक विश्वकर्मा, निमिष परमार, शुभेंद्र आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे

छत्तीसगढ़ की सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा समृद्ध, इसे बचाने डॉक्यूमेंटेशन जरूरी

रायपुर। श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका विषय रूट एंड होराइजंस एक्सप्लोरिंग साइंस आर्ट्स एंड कमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम रखा गया था। संयोजक डॉ. कविता शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित इस संगोष्ठी में शामिल शोध विद्यार्थियों को जानकारी दी। संगोष्ठी के शोधपत्रों का संकलन यूजीसी केयर लिस्ट की शोध पत्रिका का विमोचन मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग के डॉ. प्रसन्ना आर. द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने शोध को सराहा। इस दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ ज्ञान परंपरा के डॉक्यूमेंटेशन पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक सामाजिक परंपरा में अत्यंत समृद्ध है तथा इसका डॉक्यूमेंटेशन अवश्य किया जाना चाहिए। अतः आवश्यक है कि इससे अन्य संस्कृतियों के साथ मिलकर आगे विकसित किया जाए।

50 शोधपत्र किए प्रस्तुत

तकनीकी सत्र में डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, चतुर्थ सत्र में डॉ. ब्रह्म रिसोर्स पर्सन चेयरपर्सन के रूप में थे। इस सत्र में भी पांच ऑफलाइन तथा पांच ऑनलाइन शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। चतुर्थ तकनीकी सत्र में डॉ. सुषमा शुक्ला वक्ता के रूप में वर्जीनिया विश्वविद्यालय से जुड़ीं।

प्राचीनकाल के सभी विषयों में भारतीय ज्ञान

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन प्रो. जीए. घनश्याम थे। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्रारंभ से ही अत्यंत समृद्ध रही है, अतः आवश्यक है कि हम इसे वर्तमान ज्ञान के परिपेक्ष में आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल से सभी विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा व्याप्त है। भारतीय ज्ञान परंपरा पर नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन करना ही है। प्रथम तकनीकी सत्र में भूगोल विभाग से डॉ. टीएल वर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रारंभ से नालंदा, तक्षशिला आदि विश्वविद्यालयों की चर्चा की। बताया कि 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा हम इस सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे। विकासशील भारत को विकसित भारत में परिवर्तित कर पाएंगे। कार्यक्रम के समापन सत्र में सिंधी समाज से लधाराम नैनवानी, विशिष्ट अतिथि सतीश छुगानी, मुरलीधर शादीजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीके वर्मा के निर्देशन व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कविता शर्मा द्वारा किया गया।

धर्म लाइव

बाबा गुरु घासीदास की जयंती पर आज शोभायात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम

रायपुर। बाबा गुरु घासीदास की जयंती पर शहर के विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, शोभायात्रा एवं शिविर जैसे कार्यक्रमों का संचालन बुधवार को किया जाना है। प्रत्येक वर्ष जयंती महोत्सव पर सुबह से देर रात तक सतनामी समाज के सदस्य विशेष आयोजन करते हैं, जिसके लिए महीनेभर पूर्व ही तैयारी प्रारंभ की गई थी। राष्ट्रीय दिशा मंच द्वारा गुरु घासीदास बाबा के जयंती समारोह में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार 18 दिसंबर को आरडीए कॉलोनी टिकरापारा स्थित नूतन स्कूल में दो सत्रों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सुबह 5.15 से शाम 7.15 तक विद्यालय के कार्यालय में शिविर का संचालन किया जाएगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों में भाईचारा और सामाजिक शांति का संदेश देना है।

राष्ट्रीय साहित्यिक संगोष्ठी

न्यू राजेंद्र नगर स्थित मिनीमाता गुरु घासीदास अकादमी भवन में जयंती एवं अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया है, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया शामिल होंगे। इसकी अध्यक्षता मोहनदास नैमिसराय द्वारा किया जाएगा। दोपहर 2 बजे आयोजित कार्यक्रम में 'राष्ट्रीय साहित्यिक संगोष्ठी' का भी आयोजन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक डॉ. रतनलाल डांगी करेंगे। इस दौरान संगोष्ठी का विषय 'संत गुरु घासीदास के अमर सिद्धांत, मनखे-मनखे एक बरोबर सामाजिक समरसता' और 'पर्यावरण एवं जैव विविधता का मानव जीवन पर प्रभाव' रखा गया है। शाम 6 बजे अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

सामूहिक आरती एवं गुरु वंदना

गिरौदपुरी की पावन धरा पर अवतरित बाबा गुरु घासीदास की 268वीं जयंती बुधवार मनाई जा रही है। संपूर्ण राज्य सहित प्रदेश में ही जयंती समारोह पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर शहर स्थित विभिन्न जैतखाम में ध्वज एवं पूजन किया जाएगा। गुढ़ियारी अंबेडकर चौक स्थित जैतखाम में दोपहर 3 बजे महिलाओं द्वारा गुरु वंदना व सामूहिक आरती की जाएगी। आयोजन में क्षेत्र के पार्षद सुंदरलाल जोगी शामिल होंगे।

सिटी लाइव

नृत्य में मां दुर्गा के पांच रूप किए पेश, सूफी गीतों के दिलकश अंदाज ने जीता दिल

रायपुर। बीटीआई ग्राउंड में गोंडवाना कला महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है, जिसमें बच्चे समेत युवाओं को मंच मिल रहा है। मंगलवार को ओडिसी नृत्य पेश किया गया। इसके अलावा शशांक लाइव बैंड के सूफी गीतों की दिलकश प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर बच्चों का म्यूजिकल चेयर गेम्स आयोजित किया गया..जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हुए। आयोजक बालेंद्र सिंह कुशवाहा, वैभव सिंह सिसोदिया और सौरभ सिंह सिसोदिया ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय मेले में शामिल हुईं। इस दौरान लोक कलाकारों की सराहना की। सभी स्टॉल घूमते हुए खरीदारी भी की।

नृत्य और ड्रामा के जरिए दी श्रद्धांजलि

आत्मानंद स्कूल मोवा के छात्रों ने मोवा निवासी शहीद भारतलाल साहू को नृत्य और ड्रामा के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। बच्चों की इस प्रस्तुति दी। सभी के आंखें छलक उठीं। बच्चों की प्रस्तुति ने शहीद भारतलाल साहू की स्मृति को फिर से जिंदा कर दिया और सभी के अंदर देशभक्ति की भाव जगा दिया। सभी ने बच्चों की प्रस्तुति को खूब सराहा और जमकर तालियां बजाईं। महिषासुर मर्दिनी के आठ सदस्यीय ग्रुप ने नृत्य और ड्रामा के माध्यम से मां के पांच रूपों को प्रदर्शित किया, जिसमें मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी, मानिकेश्वरी और चामुंडेश्वरी को अपने नृत्य के माध्यम से दर्शाया। नर्तकों के भाव-भंगिमा ने सभी का मन मोह लिया।

सिटी इवेंट

गर्ल्स पॉलिटेक्निक कालेज में दो दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 2 दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी के शासकीय गर्ल्स पॉलिटेक्निक कालेज परिसर में उद्यमिता का गुर सीखने 150 से ज्यादा प्रशिक्षार्थी भाग ले रही हैं। आयोजन संस्था के डायरेक्टर जनरल सुनील शुक्ला, प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमित कुमार द्विवेदी और स्टेट इंचार्ज शिवा राबर्ट्स ने मंगलवार को संयुक्त पत्रकारवार्ता में इसकी जानकारी दी।

उद्यमिता देश का पहला कॅरियर ऑप्शन नहीं है

पत्रकारों से चर्चा में सुनील शुक्ला ने बताया कि भारत के 12 राज्यों में युवा उद्यमियों को उद्यमिता का प्रशिक्षण देने इस तरह के संस्थान खोले गए हैं। छत्तीसगढ़ में राज्य स्थापना वर्ष 2000 से उद्यमिता विकास केन्द्र कार्य कर रहा है। राज्य व केन्द्र सरकार की योजना और विकास लक्षी कार्य योजना लाभ जरूरतमंद युवाओं को मिले, इस मकसद से उद्यमिता विकास केन्द्र संचालित है। राजधानी के शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक कालेज में चल रहे उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर प्रतिभागियों में जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने बताया कि उद्यमिता देश का पहला कॅरियर ऑप्शन नहीं है, छत्तीसगढ़ सहित देश के दूसरे राज्यों में भी कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। इसके लिए यह जरूरी है, मानसिक तौर पर युवाओं को इसके लिए तैयार किया जाए।

● लड़का व लड़की दोनों के मन में एक ही सवाल- जिसके साथ पूरी उम्र बितानी है, कहीं उसे गंभीर बीमारी तो नहीं

युवाओं की बदली सोच...शादी से पहले मेडिकल कुंडली मिलान पर जोर, 60 प्रतिशत युवतियां बनना चाहती हैं कामकाजी पत्नी

> बदलते समय के साथ समाज और युवक-युवतियों के सोच में भी बदलाव आया है। बीते कुछ सालों से विभिन्न समाजों में शादी के कुछ सालों बाद ही रिश्ते टूटने के मामले बढ़ गए हैं। उन उचित कारणों से सीख लेते हुए अब युवाओं ने शादी के तरीके को बदला है, जिसे समाज भी जरूरी समझ रहा है। इन दिनों राजधानी में लगातार विभिन्न समाज का परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें युवक-युवती खुलकर अपनी पसंद सामने रख रहे हैं। अब जन्म कुंडली के साथ ज्यादातर शिक्षित युवा मेडिकल कुंडली के मिलाने पर भी जोर दे रहे हैं।

मरार पटेलः पारिवारिक विवाद की वजह शराब

छग मरार पटेल समाज कहते हैं कि समाज में आजकल 35 प्रतिशत प्रकरण शराबी पति के कारण पारिवारिक विवाद के आ रहे हैं। बेटियों को पहले समझाया जाता था कि सह गए तो रह गए, अब यह ठीक नहीं है। प्रांत सेन नाई समाज का कहना है कि उनके समाज में संबंध विच्छेद की 50 प्रतिशत वजह नशा और मोबाइल है। देवांगन जनकल्याण समिति के कहते हैं कि बेटियों की इस जागरूकता से समाज में ही सुधार होगा।

रायपुर। लड़का व लड़की दोनों के मन में यह सवाल है कि जिसके साथ हमें पूरी उम्र बितानी है, कहीं वह किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित तो नहीं। जिंदगीभर के साथ का सवाल होने के कारण परिवारों को भी इस पर कोई आपत्ति नहीं है, बल्कि उनका कहना है कि यदि कोई बीमारी सामने आती है तो समय रहते पता चल जाएगा और इलाज हो सकेगा। इनमें बीपी, शुगर से लेकर हेपेटाइटिस, सर्वाइकल कैंसर, यदि लक्षण हैं तो किडनी व लिवर संबंधी जांचें भी शामिल हैं। यहां तक कि कई जोड़े शादी से पहले बीएमआई व आईक्यू टेस्ट को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। शहर के चिकित्सकों के पास भी ऐसे कई मामले आए हैं।

अब सरकारी नौकरी जरूरी नहीं, अच्छा परिवार और नशामुक्त जीवन वाले को पहली प्राथमिकता

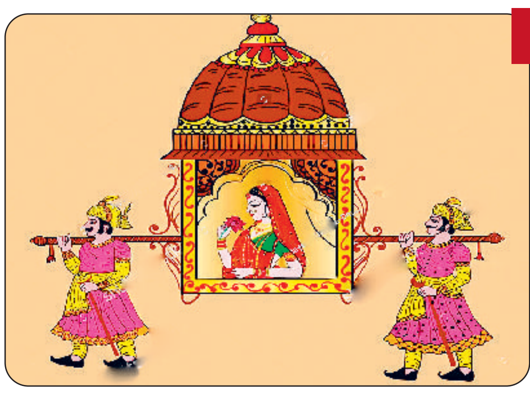

अग्रवाल समाज : युवक-युवती चाहते हैं वर्किंग लाइफ

अग्रवाल समाज में युवाओं की सोच अब बदली है। समाज के प्रदेश अध्यक्ष विजय अग्रवाल का कहना है कि अब 60 से 70 फीसदी युवती व युवक चाहते हैं कि शादी के बाद वर्किंग लाइफ व्यतीत करें। इसलिए अब दोनों चाहते हैं कि अच्छी नौकरी हो। शिक्षित युवतियां गृहिणी बनना नहीं चाहती हैं। युवाओं की सोच है कि दोनों काम करते हुए घर संभालेंगे। इससे दोनों को पैसों कीमत पता होगी। उन्होंने बताया कि कुछ लोग मेडिकल जांच कराते हैं, लेकिन इसकी संख्या कम है। पहली पसंद अच्छा परिवार है। परिवार के गुणों को देखकर विवाह करने का मन बना रहे हैं।

लड़का शराब पीता है तो संपर्क न करें

विभिन्न समाजों में होने वाले परिचय सम्मेलन में युवतियां खुलकर अपनी शर्त रख रही हैं। अपना परिचय देने के साथ अब यह भी कह रही हैं कि ज्वाइंट फैमिली में रहने में दिक्कत नहीं है, लेकिन शराबी पति नहीं चाहिए। यह लड़का यदि शराब पीता हो तो मेरे माता पिता से संपर्क न करें। युवाओं की इस सोच में सभी समाज सराहना कर रहा है। युवतियां ऐसे व्यक्ति से शादी करना करना चाहेंगी, जो मांस-मदिरा से दूर रहे।

साहू समाज : सिकलिंग की जांच को प्राथमिकता

युवा चाहते हैं कि जीवनसाथी को किसी भी तरह की कोई बीमारी न हो। इसके लिए सिकलिंग जांच को लेकर जोर दिया जा रहा है। समाज के मीडिया प्रभारी अश्वनी साहू ने बताया कि बीते कुछ सालों में समाज के युवतियों की सोच बदली है। अब लड़का सरकारी नौकरी में हो, यह जरूरी नहीं है। अच्छा परिवार और खुद का घर, अच्छी नौकरी को देखते हुए जीवनसाथी का चयन कर रहे हैं। हमारा समाज मद्यपान और मांसाहार को स्वीकार नहीं कर सकता। समाज की नियमावली में इसको लेकर प्रावधान और दंड का भी विधान रखा गया है। शराब पीकर बारात जाने पर भी मनाही है। समाज के हर मंच पर इस नशामुक्ति और शाकाहार पर जोर दिया जा रहा है।

निषाद समाज : नशेड़ी और नॉनवेज खाने वाले पसंद नहीं

बीते दिनों निषाद समाज के परिचय सम्मेलन में मंच से लड़कियों ने शर्त अपने भावी जीवनसाथी के लिए रखी। जिसमें युवतियों ने बताया कि खासतौर पर नशापान और नॉनवेज खाने वाले युवक उन्हें बिल्कुल भी पसंद नहीं है। नौकरी, पढ़ाई-लिखाई, खेती बाड़ी, जमीन-जायदाद, रंग-रूप की प्राथमिकता इसके बाद है। खास बात यह है कि बेटियों की इस प्रकार की शर्तों का समाज के किसी व्यक्ति ने विरोध नहीं किया, बल्कि सराहना ही की।

मराठी समाज : महंगाई अधिक इसलिए चाहते हैं वर्किंग वाइफ

महाराष्ट्र मराठी समाज में युवाओं की पसंद अब वर्किंग वाइफ बन चुकी है। महंगाई को देखते हुए युवा चाहते हैं कि पत्नी भी काम करे, ताकि घर के सदस्यों की जरूरत भी पूरी हो सकें। समाज का कहना है कि युवतियां भी अब खुद को आत्मनिर्भर के रूप में शादी के बाद देखना चाहती है। सरकारी नौकरी को पहले प्राथमिकता दे रही हैं। कई युवतियां सामान्य वर्ग परिवार को चुन रही हैं।

गिरजाघरों में क्रिसमस उत्सव की धूम धार्मिक गीतों और नृत्य के साथ जलसा

रायपुर। क्रिश्चियन कम्युनिटी तेलीबांधा संडे स्कूल सेंट पॉल्स कैथेड्रल द्वारा भव्य क्रिसमस जलसा आयोजित किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व तेलीबांधा संडे स्कूल के शिक्षकों सुधा दास, शरण तिर्की और मीनाक्षी दास ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। इस उत्सव को हर्ष और उल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पादरी सुनील कुमार थे। डायोसिसन वर्कर अश्वर्या लिविंग्स्टन, पास्ट्रेट कोर्ट के अध्यक्ष जॉन राजेश पॉल, विजय कुमार सुता, आलोक कुमार पॉल विशेष अतिथि थे। मुख्य अतिथियों ने अपने संदेशों में प्रभु यीशु के प्रेम, आनंद और मुक्ति के शुभ समाचार को साझा किया। इस अवसर पर क्रिसमस कैरोल, बाइबल पाठ, और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों और युवाओं ने संगीतमय प्रस्तुतियों और नाटकों के माध्यम से प्रभु यीशु के जन्म की कहानी को जीवंत किया।

क्रिसमस शांति और आशा का प्रतीक

डायोसिसन वर्कर लिविंग्स्टन ने संदेश में कहा कि क्रिसमस केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह प्रेम, शांति और आशा का प्रतीक है। हमें इसे अपने जीवन में अपनाना चाहिए और प्रभु का संदेश सभी तक पहुंचाना चाहिए। लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लिया और प्रभु यीशु के प्रेम और करुणा को महसूस किया। तेलीबांधा क्रिश्चियन समुदाय द्वारा आयोजित यह क्रिसमस जलसा न केवल उत्सव का हिस्सा बना, बल्कि सभी के दिलों में प्रभु का संदेश पहुंचाने का माध्यम भी बना।

मेडिटेशन से नशामुक्त जीवन संभव मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी

रायपुर। शुद्धि नशामुक्ति केंद्र में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान मोवा रायपुर द्वारा सात दिवसीय राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ब्रह्माकुमारी संस्था की तरफ से अदिति बहन ,गोकुल भाई और मीरा बहन द्वारा नशा पीड़ित व्यक्तियों को मेडिटेशन और योग का अभ्यास कराया जाएगा। इस अवसर पर योग ज्योति संस्थान की संस्थापिका ज्योति साहू ने लोगों को योग का महत्व बताया। सभी दैनिक जीवन में इसे शामिल करने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि मेडिटेशन के जरिए हम अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वही शामिल हुए, जो नशे से मुक्ति चाहते थे। कार्यक्रम के जरिए बताया कि नियमित अभ्यास से जीवन को नशे से मुक्त बनाया जा सकता है। योग आयोग के प्रभारी अधिकारी रविकांत कुंभकार ने योग आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

दुर्गा कॉलेज में छह दिवसीय आयोजन का हुआ समापन, छात्रों को मिले पुरस्कार

मटके पर रंगों से उकेरी कलाकृतियां, सूपे में दिखी संस्कृति

कार्नर न्यूज

रायपुर। उनसे मिली नजर के मेरे होश उड़ गए....आज-कल तेरे मेरे प्यार के चर्चे...जैसे सदाबहार फिल्मी गीत आज भी चर्चा में है। जो बुजुर्गों के साथ युवाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। महाविद्यालय में आयोजित स्पर्धा के दौरान छात्रों द्वारा फिल्मी सदाबहार गीतों पर मनमोहक प्रस्तुति दी गई। दुर्गा कॉलेज में छात्र परिषद संचालन समिति द्वारा स्पर्धा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छह दिवसीय आयोजन का समापन मंगलवार को एकल संगीत, मिमिक्री, बेस्ट क्लिक प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। मिलन कार्यक्रम के अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य प्रतिभा मुखर्जी, उपप्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, छात्र परिषद प्रभारी डॉ. अमन चंद्राकर उपस्थित रहे।

मटके एवं सूपे पर कलाओं का अनोखा प्रदर्शन प्रतियोगिता के दौरान देखने को मिला। महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा चित्रकला की प्रस्तुति अनोखे अंदाज में बिखेरी है। मटका पेंटिंग में प्रथम शुभम विश्वकर्मा, द्वितीय सबरीन फातिमा और तीसरा मुस्कान सिंह को दिया गया। वही सूपा पेंटिंग में प्रथम शुभम सिंह व अनामिरा, दूसरा सोनम देवांगन व श्रुति वर्मा और तीसरा स्थान अंकिशा सिंह, साक्षी सिंह, ऋतु वर्मा को दिया गया।

फिल्मी हीरो की मिमिक्री

अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, मुन्नाभाई एमबीबीएस के संजय दत्त जैसे अनेक फिल्मी हीरो एवं लोकप्रिय व्यक्तित्व की मिमिक्री की गई। जिसमें फिल्म के डायलॉग सुनाकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस दौरान विद्यार्थियों को अनुभवी कलाकारों की तरह मिमिक्री करता देख, निर्देशक भी आश्चर्य में रहे। एकल संगीत प्रतियोगिता में विभिन्न विभाग से 30 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पुराने गीतों पर सबसे अधिक प्रस्तुति दी गई।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति का चित्र

चित्रकला प्रतियोगिता के अवसर पर 30-40 मिनट प्रतिभागियों को दिया गया, इस दौरान सूपा और मटके पर थीम बेस्ड चित्र तैयार करना था। संस्कृति एवं आदर्श व्यक्तियों की पेंटिंग स्पर्धा में बनाई गई। छात्रों ने राजस्थानी संस्कृति में पधारो सा...बंगाली ब्राइड-ग्रूम, आदिवासी संस्कृति एवं लिप्पन व मिरर आर्ट, श्री जगन्नाथ, श्रीगणेश, श्रीकृष्ण का चित्र सूपे पर बनाया गया। आकर्षण का केंद्र मटके पर तैयार की गई पं. रविशंकर शुक्ल की तस्वीर रही।

हेल्थ टिप्स

लैपटॉप पर काम करते वक्त ऐसे करें आंखों का बचाव

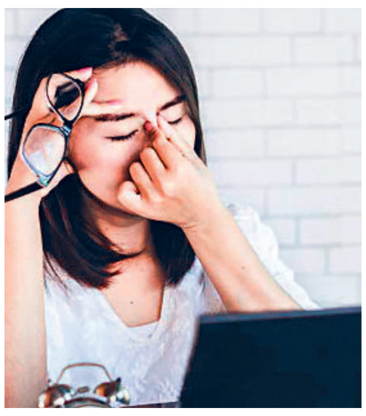

लैपटॉप या कंप्यूटर पर लंबे वक्त तक काम करते रहने से कई बार आंखों में भारीपन, दर्द, जलन और सिर में दर्द महसूस होता है। एक्सपर्ट की बताई ये 2 एक्सरसाइज इन सभी चीजों को कम करने में मदद कर सकती हैं। दिनभर लैपटॉप या कम्प्यूटर पर काम करने के बाद, अक्सर शाम के वक्त हमें सिरदर्द, आंखों में जलन, भारीपन या दर्द महसूस होता है। ऐसे में आंखों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी हो जाता है।

दरअसल, आंखों पर पड़ने वाले दबाव की वजह से ऐसा होता है। अगर आप वर्किंग हैं, तो जाहिर सी बात है आपके 8-9 घंटे कम्प्यूटर स्क्रीन के आगे ही गुजरते होंगे। इस वजह से आंखों पर काफी स्ट्रेन पड़ता है। एक्सपर्ट का कहना है कि लैपटॉप पर काम करते वक्त, बीच-बीच में कुछ देर किसी और चीज की तरफ देखें। अगर आपकी वर्क डेस्क के पास कोई विंडो है, तो उसके बाहर देखें। लगातार आंखों को लैपटॉप पर न टिकाएं। इससे नुकसान हो सकता है।

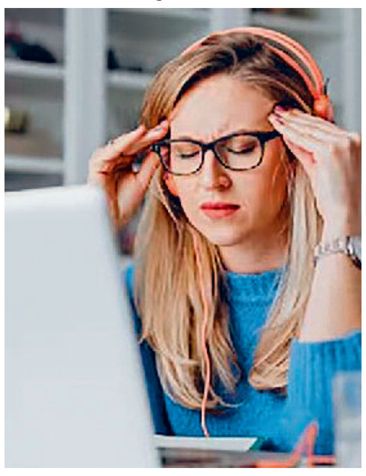

इसके अलावा, आंखों की कुछ एक्सरसाइज भी आपको जरूर करनी चाहिए। इस बारे में योगा एक्सपर्ट दिलराजप्रीत कौर जानकारी दे रही हैं।

एक्सरसाइज 1:

पहले अपनी तर्जनी और मध्यमा उंगली को आंखों के दोनों तरफ रखें। आपको दोनों आंखों की उंगलियों को दोनों आंखों पर इसी तरह रखना है। इसके बाद, आंखों को खोलें और बंद करें। ऐसा आपको 10-15 बार करना है। इससे आंखों की थकान दूर होगी और आराम मिलेगा।

एक्सरसाइज 2:

आंखों को सीधा रखें। अब आंखों को ऊपर की ओर करें और सीलिंग को देखें। इसके बाद आंखों को नीचे की तरफ करें और सामने देखें। ऐसा आपको 10-20 बार करना है। इससे आंखों की थकान और सिरदर्द दूर होगा। इसके साथ ही, अपने माथे पर दोनों आंखों के बीच में एक उंगली रखें। इसे क्लॉकवाइज और एंटी-क्लॉकवाइज

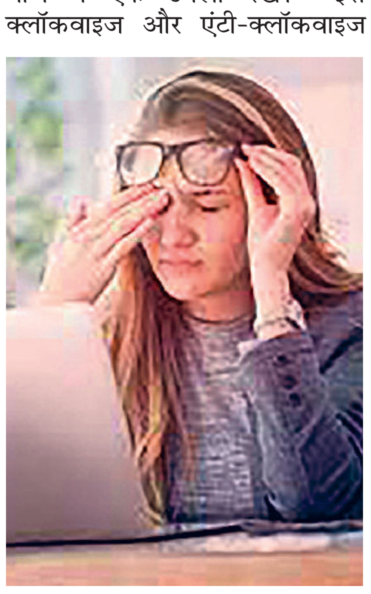

डायरेक्शन में घुमाएं। ऐसा कम से कम 10 बार करें। इससे सिरदर्द और प्रेशर कम होगा।

इन टिप्स को भी करें फॉलो

स्क्रीन की ब्राइटनेस और टेक्स्ट साइज को ऐसा रखें जिससे आपकी आंखों पर ज्यादा जोर न पडे। हर घंटे 5-10 मिनट खुद को ब्रेक दें। आंखों को बंद करें और बॉडी को स्ट्रेच करें। अगर आप बहुत अधिक वक्त तक स्क्रीन पर काम कर रहे हैं, तो ब्लू लाइट फिल्टर्स या ग्लासेज का इस्तेमाल करें। सिरदर्द, आंखों की जलन, स्ट्रेन और दर्द से छुटकारा पाने के लिए, आप एक्सपर्ट की बताई इन एक्सरसाइज को रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

हाल ही महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन इस तकलीफ से चल बसे

फेफड़ों की गंभीर बीमारी जकड़ रही ज्यादातर लोगों को, यहां लक्षणों से पहचानिए आप भी शिकार तो नहीं

मशहूर तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का सोमवार 16 दिसंब को निधन हो गया। वह लंबे समय से इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस नामक बीमारी से पीड़ित थे। फेफड़ों की ये बीमारी कई प्रकार की जटिलताएं पैदा करती है, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

मशहूर तबला वादक और पद्म विभूषण से सम्मानित उस्ताद जाकिर हुसैन का सोमवार को निधन हो गया। इस खबर ने दुनियाभर में उनके प्रशंसकों को गमगीन कर दिया। परिवार की तरफ से साझा की गई जानकारियों के मुताबिक वह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित एक अस्पताल में भर्ती थे। वह लंबे समय से इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस नामक बीमारी और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य जटिलताओं से पीड़ित थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह पिछले दो सप्ताह से अस्पताल में थे , जहां उनकी हालत बिगड़ने के बाद आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया था। सोमवार को देश के इस महान सितारे ने आखिरी सांस ली। इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ) फेफड़ों में होने वाली एक क्रोनिक बीमारी है जिसके कारण समय के साथ सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है और कई अन्य प्रकार की जटिलताएं होने लगती हैं। इस बीमारी के कारण फेफड़ों में स्कार टिशू (फाइब्रोसिस) बनने होने लगता है जिस वजह आपके फेफड़े रक्तप्रवाह में ऑक्सीजन को प्रभावी ढंग पहुंचाने में कठिनाई महसूस करते हैं। डॉक्टर कहते हैं, फेफड़ों की ये बीमारी किसी को भी हो सकती है।

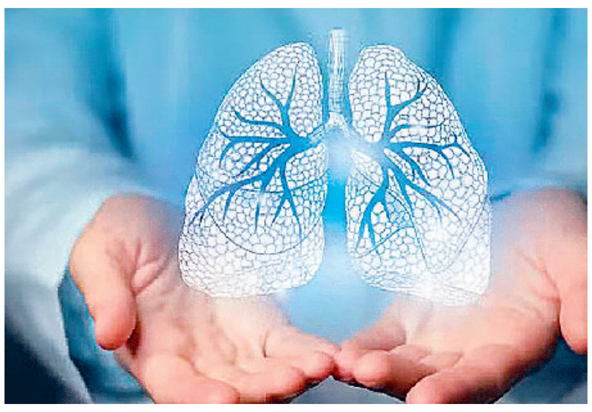

कैसे जानें कहीं आपको भी तो नहीं है ये बीमारी?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को फेफड़ों की गंभीर बीमारी रही हो उन्हें विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। अमेरिकन लंग्स एसोसिएशन के मुताबिक इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस के मुख्यरूप से दो लक्षण होते हैं जिनपर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

1. लंबे समय तक सूखी खांसी बने रहना- आईपीएफ वाले अधिकांश लोगों को 8 सप्ताह से अधिक समय तक खांसी बनी रहती है।
2. अक्सर सांस फूलना- अगर आपको अक्सर सांस फूलने की दिक्कत रहती है तो ये अलार्मिंग है। जैसे-जैसे फाइब्रोसिस की दिक्कत बढ़ती जाती है आपको आराम करते समय भी सांस लेने में कठिनाई का अनुभव हो सकता है।

इन लक्षणों के साथ मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, अक्सर थकान बने रहने, ऊर्जा की कमी महसूस होना और बिना स्पष्ट कारण के वजन कम होना भी इस बीमारी की संकेत हो सकता है।

क्या है इस बीमारी की वजह?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पल्मोनरी फाइब्रोसिस के कई मामलों में डॉक्टर यह पता नहीं लगा पाते हैं कि व्यक्ति को ये बीमारी क्यों हुई है। जब बीमारी का कारण पता नहीं चलता है, तो फाइब्रोसिस को ₹इडियोपैथिक₹ कहा जा सकता है। उस्ताद जाकिर हुसैन को भी इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस की समस्या थी, जिसका मतलब है कि डॉक्टरों को उनमें बीमारी का स्पष्ट कारण पता नहीं था। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों में इस बीमारी की फैमिली हिस्ट्री रही है या जो लोग धूम्रपान करते हैं उनमें आईपीएफ होने का जोखिम अधिक देखा जाता है। इसके अलावा वायरल संक्रमण, वायु प्रदूषण जैसी स्थितियां भी इसे बढ़ावा दे सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, धूम्रपान फेफड़ों की कई गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है इसलिए इससे दूरी बनाना सबसे जरूरी है। पल्मोनरी फाइब्रोसिस से बचाव के लिए क्या करें? डॉक्टर कहते हैं, पल्मोनरी फाइब्रोसिस और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए कुछ बातों पर निरंतर ध्यान देते रहना और बचाव के उपाय करना जरूरी है। धूम्रपान से दूरी बनाना आपको पल्मोनरी फाइब्रोसिस सहित फेफड़ों की कई गंभीर बीमारियों से बचा सकता है। चूंकि सेकेंड हैंड स्मोकिंग भी आपके फेफड़ों के लिए हानिकारक है, इसलिए धूम्रपान करने वाले लोगों के आस-पास रहने से बचें।

जो चीजें आपके फेफड़ों के लिए दिक्कतें बढ़ाती हैं उनसे भी दूर बनाएं। रसायनों से निकलने वाले धुएं, इनडोर प्रदूषकों के कारण भी फेफड़ों में जलन हो सकती है। इनसे बचाव करें। फेफड़ों की बीमारी से बचने और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान में सुधार करें। एंटी-इंफ्लेमेटरी चीजों का सेवन करें। नियमित व्यायाम करना, जैसे वॉक करना या साइकिलिंग आपके लिए बहुत लाभकारी है। सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसे श्वसन संक्रमण पल्मोनरी फाइब्रोसिस के लक्षणों को बढ़ा सकते हैं। इससे बचाव के लिए निमोनिया का टीका और सालाना फ्लू वैक्सीन के बारे में डॉक्टर से सलाह लें।

उपहार या चढ़ावे में एक रूपए ज्यादा देने के पीछे की वजह जानते हैं आप, ज्योतिष का संबंध है इससे

हम अक्सर दान में या किसी भी चढ़ावे के समय जो धनराशि देते हैं उसमें एक का सिक्का जरूर रखते हैं। आइए जानें क्यों कभी भी दान में दी जाने वाली धनराशि में शून्य नहीं आना चाहिए। भारतीय संस्कृति और परंपराओं में हर छोटी-बड़ी चीज के पीछे कोई न कोई अर्थ और धार्मिक मान्यता छिपी होती है। ऐसे ही जब भी कोई व्यक्ति मंदिर या किसी अन्य धार्मिक स्थान पर पूजा-अर्चना करता है या फिर किसी शुभ कार्य की शुरुआत करता है तो कुछ न कुछ धनराशि दान में देता है। अक्सर देखा जाता है कि जब हम मंदिर या किसी अन्य पूजनीय स्थान पर चढ़ावा धनराशि के रूप में चढ़ाते हैं तो उसमें 1 का सिक्का जरूर लगाते हैं। यूं कहा जाए कि कभी भी आपको दान या चढ़ावा के लिए शून्य की संख्या में पैसे न चढ़ाने की सलाह दी जाती है। अक्सर हम मंदिर में 11, 21, 51, 101 या 1001 रुपये का दान करते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। पर क्या आपने कभी सोचा है कि इन संख्याओं के पीछे का रहस्य क्या है और आखिर '1' संख्या का ज्योतिष में इतना महत्व क्यों है? आखिर क्यों किसी को शगुन का लिफाफा देते समय उसमें एक का सिक्का अवश्य लगाया जाता है।

दान में दी जाने वाली राशि में संख्या '1' का महत्व

धार्मिक अनुष्ठानों और दान में अक्सर हम यह देखते हैं कि 10, 50 या 100 रुपये के स्थान पर 11, 51 या 101 रुपये चढ़ाए जाते हैं। इसके पीछे मुख्यतः दो कारण होते हैं –

भारतीय परंपरा में '1' को शुभ और वृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि किसी भी चीज का अंत कभी भी शून्य पर नहीं होना चाहिए, क्योंकि शून्य का मतलब ठहराव होता है। जबकि '1' का अर्थ है नई शुरुआत और सकारात्मकता। यदि आप किसी को दान या चढ़ावे में धनराशि के साथ एक रुपये लगाकर देते हैं तो ये धन में बढ़ोत्तरी का संकेत होता है। धनराशि में संख्या '1' को जोड़ने का एक और अर्थ होता है कि आपका दान या उपहार कभी समाप्त न हो। यह इस भावना को दर्शाता है कि उस कार्य का फल अनंतकाल तक चलता रहे।

ज्योतिष में '1' संख्या का महत्व

ज्योतिष में प्रत्येक अंक का संबंध किसी न किसी ग्रह से होता है। '1' संख्या का स्वामी सूर्य ग्रह को माना जाता है। सूर्य को नवग्रहों का राजा कहा जाता है। यह शक्ति, ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता का कारक ग्रह होता है। इसलिए दान या चढ़ावे में संख्या '1' का जुड़ना दान राशि या शुभ कार्य में सकारात्मक ऊर्जा और उन्नति का प्रतीक माना जाता है।

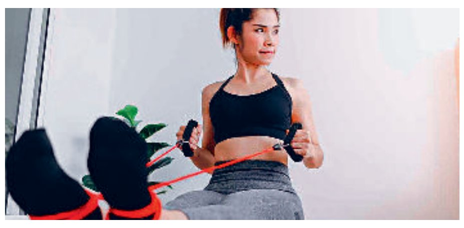

रेसिस्टेंस बैंड की मदद से भी की जा सकती है एक्सरसाइज

जब हम वर्कआउट करते हैं तो हम सभी की यही इच्छा होती है कि हमें बेस्ट रिजल्ट मिल सके। इसके लिए हम कई तरह के इक्विपमेंट का सहारा लेते हैं। इन्हीं में से एक है रेसिस्टेंस बैंड। इसे एक वर्सेटाइल टूल माना जाता है, जो अलग-अलग एक्सरसाइज में रेसिस्टेंस को शामिल करके आपकी स्ट्रेंथ और फ्लेक्सिबिलिटी को इंप्रूव करने में मदद करते हैं।

रेसिस्टेंस बैंड का एक फायदा यह भी होता है कि इसकी मदद से आप अपने पूरे शरीर का वर्कआउट कर सकते हैं। रेसिस्टेंस बैंड आपके ज्वॉइंट्स पर दबाव नहीं डालते हैं, जिससे चोट लगने का जोखिम कम हो जाता है। आप चाहे बिगनर हों या फिर एक्सपर्ट, रेसिस्टेंस बैंड से आपको बहुत अधिक फायदा मिलता है। रेसिस्टेंस बैड को आप कई तरीकों से अपने फिटनेस रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप रेसिस्टेंस बैंड की मदद से कर सकते हैं-

बाइसेप कर्ल

रेसिस्टेंस बैंड की मदद से आप बाइसेप कर्ल कर सकते हैं। यह आपके बाइसेप्स की मसल्स को टारगेट करता है। बाइसेप कर्ल करने के लिए आप पैरों को कंधे की चौड़ाई पर रखकर बैंड के बीच में खड़े हो जाएं। रेसिस्टेंस बैंड आपके पैर के नीचे होगा। अब हथेलियों को आगे की ओर रखते हुए बैंड के हैंडल या सिरों को पकड़ें। अब अपनी कोहनियों को अपने साइड्स के पास रखें और अपने हाथों को अपने कंधों की ओर मोड़ें। फिर आप उसे वापिस लाएं। इस तरह आप बाइसेप कर्ल को क्षमतानुसार कर सकते हैं।

चेस्ट प्रेस

अगर आप घर पर चेस्ट प्रेस कर रहे हैं तो रेसिस्टेंस बैंड की मदद से इसे आसानी से किया जा सकता है। चेस्ट प्रेस वर्कआउट आपकी चेस्ट, कंधे और ट्राइसेप्स को टारगेट करता है। इसे करने के लिए आप बैंड को अपने पीछे किसी मजबूत जगह जैसे दरवाजे के एंकर के चारों ओर लगाएं। अब अपने हाथों को चेस्ट के लेवल पर रखते हुए रेसिस्टेंटस बैंड के हैंडल को पकड़ें। आपकी हथेलियां नीचे की ओर हों। अब आप रेसिस्टेंस बैंड को आगे की ओर धकेलें, जब तक कि आपके आर्म्स पूरी तरह से फैल न जाएं। फिर आप धीरे-धीरे शुरुआती स्थिति में वापस आएं। इस तरह आप आसानी से घर पर ही चेस्ट प्रेस कर सकते हैं।

स्क्वाट्स

स्क्वाट्स को लोअर बॉडी खासतौर से पैरों के लिए एक बेहतरीन वर्कआउट माना जाता है। यह एक्सरसाइज क्वाड्रिसेप्स, हैमस्ट्रिंग और ग्लूट्स की मसल्स को टारगेट करता है। इस एक्सरसाइज के लिए पैरों को कंधे की चौड़ाई पर रखकर बैंड पर खड़े हो जाएं। हैंडल को शोल्डर लेवल पर पकड़ें। अब अपनी चेस्ट को ऊपर और घुटनों को अपने पंजों के पीछे रखते हुए स्क्वाट्स की पोजिशन में आ जाएं। अब आप खड़े होने के लिए अपनी एड़ियों से पुश करें।

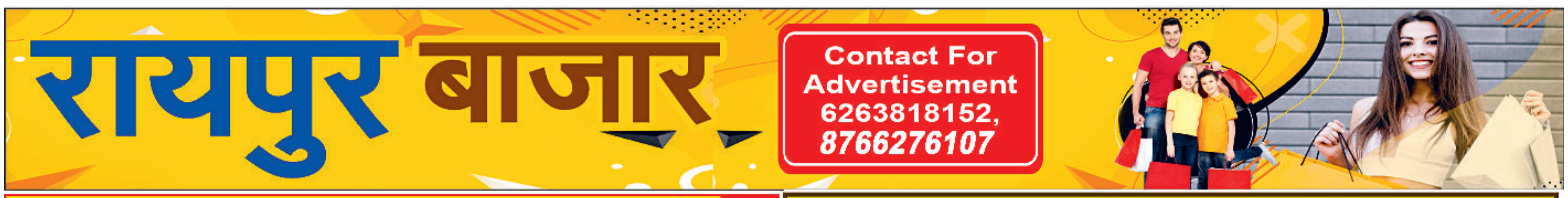

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'रेड वन' बनी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म, दुनिया भर में पांच करोड़ ने देखा

दिसंबर का महीना प्राइम वीडियो के लिए शानदार रहा है। इस प्लेटफॉर्म पर ड्वेन जॉनसन, क्रिस इवांस की फिल्म 'रेड वन' को शुरुआती हफ्ते में 5 करोड़

दर्शकों ने वर्ल्डवाइड देखा है। यह फिल्म स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म 'रेड वन' अभी भी नॉर्थ अमेरिका में 3,000 से ज्यादा स्क्रीन पर दिखाई जा रही है, वहीं ओवरसीज में 3,300 स्क्रीन चल रही है। इसमें ड्वेन जॉनसन, क्रिस इवांस के अलावा लूसी लियू, बोनी हंट, क्रिस्टोफर हिवजू, निक क्रोल, वेस्ले किमेल और जे.के. सिमंस जैसे कलाकार भी हैं। जेक कासडान ने फिल्म का निर्देशन किया है, फिल्म का स्क्रीन प्ले क्रिस मॉर्गन ने लिखा है। फिल्म 'रेड वन' के निर्माता सेवन बक्स प्रोडक्शंस के हिराम गार्शिया, जॉनसन और डैनी गार्शिया, क्रिस मॉर्गन प्रोडक्शंस के मॉर्गन, द डिटेक्टिव एजेंसी के कासडान और मेल्विन मार हैं। फिल्म 'रेड वन' के स्ट्रीमिंग डेब्यू पर अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की हेड जेनिफर साल्के ने कहा, 'थिएटर, प्राइम वीडियो दोनों पर फिल्म 'रेड वन' को लेकर दर्शकों के रेस्पॉन्स को देखते हुए, यह फिल्म आने वाले सालों में पसंदीदा और एवरग्रीन हॉलीडे फिल्म बन जाएगी। वह आगे कहती हैं, 'हर फिल्म अलग होती है, हम इस फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए प्रोड्यूसर्स के बहुत थैंकफुल हैं। जेनिफर साल्के आगे कहती हैं, 'फिल्म 'रेड वन' एक अच्छी फिल्म है, इसमें शक नहीं है। लेकिन इस फिल्म के लिए जिस तरह की मार्केटिंग की गई।

टॉलीवुड

नितिन और श्रीलीला को साथ देखने का इंतजार हुआ लंबा, आगे खिसक गई

साउथ अभिनेता नितिन और पुष्पा 2 द रूल में किसिक सॉन्ग से सभी का दिल जीत चुकीं श्रीलीला अब फिल्म रॉबिनहुड में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा

फिल्म होगी, जिसको माइथ्री मूवी मेकर द्वारा निर्मित किया जा रहा है, लेकिन जहां यह फिल्म पहले अपनी निर्धारित तारीख पर रिलीज की जा रही थी, वहीं अब निर्माताओं ने सोशल मीडिया हैंडल पर नई रिलीज डेट के लिए एक पोस्ट शेयर किया है। पुष्पा 2 द रूल के निर्माता माइथ्री मूवी मेकर अब अपने अगले प्रोजेक्ट रॉबिनहुड के लिए कमर कस रहे हैं। उनका अगला प्रोजेक्ट का नाम है रॉबिनहुड। इस फिल्म में नितिन और श्रीलीला रोमांस करते नजर आएंगे। लेकिन फिल्म निर्माताओं ने जहां इसकी रिलीज डेट पहले 25 दिसंबर, क्रिसमस पर रखी थी। अब उन्होंने इसे बदलने का फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में पहले रश्मिका मंदाना को लिया जा रहा था, लेकिन कुछ कारणों की वजह से अब इस फिल्म में मुख्य किरदार में श्रीलीला नजर आएंगी। ऐसा पहली बार है जब किसी फिल्म में नितिन और श्रीलीला की जोड़ी नजर आएगी। माइथ्री मूवी मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, 'कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों की वजह से फिल्म रॉबिनहुड की रिलीज डेट 25 दिसंबर टाल दी गई है, जल्द ही इसकी जगह एक नई रिलीज डेट जारी की जाएगी। अपने एक्साइटमेंट को थामे रखें क्योंकि एंटरटेंमेंट देखने लायक होगा, जब यह फिल्म सिनेमाघरों में आएगी तो आपका अनुभव भुलाने लायक नहीं होगा।"

भोजपुरी

आम्रपाली की फिल्म 'सास कमाल बहू धमाल' अब घर बैठे देख सकेंगे आप

भोजपुरी सिनेमा के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। फीलमची भोजपुरी अब भोजपुरी इंडस्ट्री में नया इतिहास रचने जा रहा है। अब चैनल खुद की

फिल्म बनाना शुरू कर चुका है। फिल्म 'सास कमाल बहू धमाल' 21 दिसंबर 2024 को शाम 5 बजे फिलमची चैनल पर दिखाई जाएगी। यह फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ एक अनोखी कहानी और सामाजिक संदेश लेकर आ रही है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखेगी।

फिल्म की कहानी झखझोरपुर नाम के एक काल्पनिक गांव पर आधारित है, जो एक ऋषि के श्राप के कारण प्रभावित है। श्राप के चलते इस गांव में सास-बहू के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रह पाते। लेकिन पढ़ी-लिखी लक्ष्मी (आम्रपाली दुबे) जब इस गांव में दुल्हन बनकर आती है, तो उसे भी इस समस्या का सामना करना पड़ता है। लक्ष्मी हार मानने वालों में से नहीं है। वह सास-बहू के बीच के झगड़ों को खत्म करने और श्राप से गांव को मुक्त कराने के लिए एक गुप्त योजना बनाती है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब लक्ष्मी का प्लान सफल होते-होते अचानक गांव वालों के सामने आ जाता है। लक्ष्मी के इरादों पर सवाल उठाए जाते हैं। आखिरकार, क्या वह श्राप को खत्म कर गांव में शांति ला पाएगी, या उसकी योजना उल्टा असर करेगी? इन सवालों के जवाब के लिए फिल्म देखना होगा। फिल्म में अम्रपाली दुबे के साथ विद्या सिंह, मणि भट्टाचार्य, लाडो मधेशिया, जय यादव और ज्योति मिश्रा के साथ कई दिग्गज अभिनेता इस फिल्म में नजर आयेंगे।

सादगी से भरी विलासिता

पिछले हफ्ते पेरिस फैशन वीक मेन्स फॉल/विंटर 2024 ने सिटी ऑफ़ लाइट्स को विपरीत रंगों के बहुरूपदर्शक में रंग दिया। जहाँ सादगीपूर्ण विलासिता की आहट दर्शकों ने मंच पर मॉडल के पेश किए गए कलेक्शन में देखी। डिजाइनरों ने इन्हें एक हद तक प्राचीन कालीन योद्धाओं से प्रेरित भी बताया। दर्शकों ने शो का भरपूर लुत्फ उठाया।

बाल हो रहे डैमेज तो करें ये काम, सिल्की-शाइनी बाल देखकर लोग करेंगे तारीफ

लड़कियों के साथ-साथ लड़कों के लुक को स्टाइलिश बनाने में उनके बालों का काफी योगदान होता है। हर कोई ये चाहता है कि उनके बाल घने, काले और शाइनी रहें। लेकिन मौसम में बदलाव और प्रदूषण की वजह से बालों का हमेशा चमकते और लहराते रहना काफी मुश्किल होता जा रहा है। खासतौर पर जिनके बाल लंबे होते हैं, उन्हें तो अपने बालों का खास ध्यान रखना पड़ता है।

यदि आप भी डैमेज बालों से परेशान हैं तो आपको भी ध्यान रखने की जरूरत है। डैमेज बालों की देखभाल के लिए नीचे कुछ सुझाव दिए गए हैं, जो आपके बालों को हेल्दी और मजबूत बनाने में मदद करेंगे। इसके अलावा अगर बाल डैमेज ज्यादा है, तो एक हेयर स्पेशलिस्ट (डर्मेटोलॉजिस्ट) से सलाह लें, ताकि इसका सही से ध्यान रखा जा सके।

यदि आप नहीं चाहते कि आपके बाल डैमेज हो रहे हैं तो हमेशा अपने बालों के टाइप के अनुसार शैम्पू और कंडीशनर का चुनाव करें। अगर बाल ड्राई या डैमेज हैं, तो मॉइस्चराइजिंग शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें, ताकि आपके डैमेज हेयर को पोषण मिल सके।

आजकल लड़कियों के साथ-साथ लड़के भी बालों को स्टाइल करने के लिए हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। आप भी बालों को ज्यादा हीटिंग टूल्स जैसे स्ट्रेटनर, कर्लर या ड्रायर से बचाएं। अगर इनका उपयोग करना हो, तो हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का इस्तेमाल करें।

हेयर मास्क और तेल है जरूरी

बालों में पोषण देना चाहते हैं तो सप्ताह में एक-दो बार हेयर मास्क लगाना और बालों को अच्छे से तेल लगाना जरूरी है। नारियल तेल, आर्गन तेल, जैतून का तेल, या बादाम तेल बालों को पोषण देते हैं और डैमेज को कम करते हैं। इसलिए आप इन तेलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। हेयर मास्क भी आप घर पर तैयार कर सकते हैं। सर्दी का मौसम है, ऐसे में लोग बालों को गर्म पानी से धोते हैं। जबकि गर्म पानी बालों को और ज्यादा नुकसान पहुंचाता है।

दिखना है सबसे अलग, तो स्टाइल करें पेप्लम कुर्ती और ऐसे प्लाजो

सुंदर दिखना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन जब बात आउटफिट को स्टाइल करने की आती है, तो ऐसे में हम कई बार सोचते हैं कि किस तरह के आउटफिट को स्टाइल किया जाए, ताकि सारे रिश्तेदार देखकर पूंछे कहां से खरीदे कपड़े। इसके लिए आपको अपने कलेक्शन को अपग्रेड करने की जरूरत है। इससे आपको भी नए आउटफिट को स्टाइल करने को मिलेगा। इस बार आप स्टाइल करें पेप्लम कुर्ती के साथ प्लाजो। इस तरह का पेयर अच्छा लगेगा। पहनने के बाद आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा।

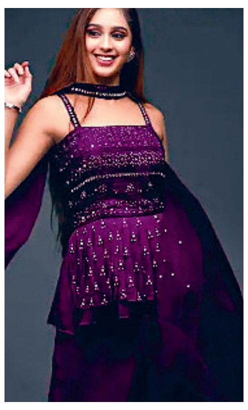

एम्ब्राइडरी वर्क वाली पेप्लम कुर्ती विद प्लाजो

अगर आपको सुंदर दिखना है, तो इसके लिए एम्ब्राइडरी वर्क वाली पेप्लम कुर्ती के साथ प्लाजो को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के कुर्ती सेट पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें ऊपर के टॉप पर एम्ब्राइडरी वर्क होता है। नीचे का पेप्लम प्लेन डिजाइन में आता है। वहीं दुपट्टा भी आपको प्लेन ही मिलता है। इससे पूरा लुक अच्छा नजर आता है। आप इस तरह के कुर्ता सेट को वियर कर सकती हैं। इससे आप अच्छी नजर आएंगी। साथ ही, आपको ज्यादा चीजों को स्टाइल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

थ्रेड वर्क डिजाइन वाला पेप्लम कुर्ती विद प्लाजो

आप लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए थ्रेड वर्क डिजाइन वाले पेप्लम कुर्ती विद प्लाजो को भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट सेट में आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको कुछ अलग ट्राई करने को मिलेगा। इसमें आप चाहे तो टेस्ल को ऐड करा सकती हैं। इससे आपको लुक को बदलने के लिए एक नया चेंज देखने को मिलेगा। इस तरह के सेट आपको मार्केट में भी आसानी से मिल जाएंगे।

कोटी स्टाइल पेप्लम कुर्ती विद प्लाजो

सुंदर दिखना पसंद है, तो इसके लिए कुछ अलग ट्राई करना तो बनता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक भी अट्रैक्टिव नजर आता है। साथ ही, आपको ट्रेंडी आउटफिट्स पहनने को मिलता है। इस बार भी आप कुछ अलग ट्राई करने के लिए कोटी स्टाइल पेप्लम कुर्ती विद प्लाजो को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के प्लाजो सेट पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें लुक भी अट्रैक्टिव नजर आता

सर्दियों में चेहरा हो जाता है बेजान, तो ये स्क्रब आएंगे आपके बहुत काम

हमारी स्किन दिनभर प्रदूषण, धूल-मिट्टी और गंदगी के संपर्क में रहती है, जिससे इसका ग्लो कम हो जाता है और चमक भी हो जाती है। इसलिए चेहरे की गहराई से सफाई के लिए फेस स्क्रब का इस्तेमाल किया जाता है। यह स्किन की डेड स्किन सेल्स को हटाने, स्किन के पोर्स को खोलने और स्किन को तरोताजा महसूस कराने में मदद करता है।

अगर आप अपनी भी स्किन की खास देखभाल करना चाहते हैं, तो फेस स्क्रब का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। इससे न केवल आपकी त्वचा को नया जीवन मिलता है, बल्कि यह झुर्रियों, ब्लैकहेड्स और त्वचा की अन्य समस्याओं को भी कम करने में मदद करता है।

माचा ग्रीन टी स्क्रब

माचा ग्रीन टी स्क्रब बनाना बहुत आसान है। यह स्किन के लिए बेहद अच्छा है, जिसे घर पर रखी सामग्रियों की मदद से तैयार कर सकते हैं। एक साफ कटोरे में चीनी डालें। यह स्क्रब के लिए एक्सफोलिएशन का काम करेगा। चीनी में माचा ग्रीन टी पाउडर मिलाएं और

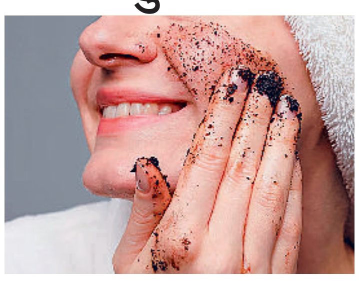

अच्छी तरह से मिक्स करें। फिर नारियल डालें और इसे अच्छी तरह से मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अगर आपकी स्किन रूखी है, तो शहद मिलाएं। यह त्वचा को नमी देगा। बस तैयार स्क्रब को एक एयरटाइट जार में स्टोर करें। इसे फ्रिज में रखने से यह ज्यादा समय तक ताजा रहेगा।

अखरोट के छिलके का स्क्रब

वॉलनट शेल पाउडर स्किन के लिए एक बेहतरीन एक्सफोलिएंट है। यह स्किन से डेड सेल्स हटाने, ब्लैकहेड्स को साफ करने और त्वचा को निखारने में मदद करता है। आप इसे फेस स्क्रब के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

फुलर लिप्स लुक पाने के लिए फॉलो करें ये लिप लाइनर हैक्स

फुलर और प्लम्प लिप्स आखिर किसे अच्छे नहीं लगते, लेकिन हम सभी के लिप्स नेचुरली इतने प्लम्प नहीं होते हैं। ऐसे में फुलर लिप्स पाने के लिए हम सभी कॉस्मेटिक सर्जन का रुख सकते हैं। लेकिन बार-बार फिलर्स आदि करवाना उतना अच्छा ऑप्शन नहीं माना जाता है। साथ ही साथ, यह आपकी जेब पर काफी भारी भी पड़ सकता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप मेकअप के जरिए ही फुलर लिप्स लुक क्रिएट करें और इसमें लिप लाइनर आपकी काफी मदद कर सकते हैं।

ओवरलाइनिंग की लें मदद

अगर आप नेचुरली अपने लिप्स को फुलर दिखाना चाहती हैं तो ऐसे में नेचुरल लिप कलर या लिपस्टिक से थोड़ा गहरा लिप लाइनर चुनें और ओवरलाइनिंग करें। आप केवल क्यूपिड बो और अपने निचले होंठ के बीच में धीरे से ओवरलाइन करें। ध्यान दें कि आप इसे ज़्यादा न करें, नहीं तो यह बहुत ज़्यादा साफ़ दिखाई देगा। आप ओवरलाइन को नेचुरल लिप लाइन के साथ कनेक्ट करें। इससे आपका पाउट और भी ज्यादा

नेचुरल लगेगा।

होठों को करें कंटूर

अमूमन हम सभी अपने चेहरे को परफेक्ट दिखाने के लिए कंटूरिंग का सहारा लेती हैं। लेकिन कंटूरिंग सिर्फ़ गालों के लिए नहीं है, यह आपके होठों के लिए भी कमाल का काम करता है।

कार्नर न्यूज

स्टाइलिश लुक के लिए कपल को चुनना चाहिए कुछ अलग ड्रेस

शादी के बाद कई कपल बीच वाली जगह पर घूमने का प्लान बनाते है और इस दौरान महिलाएं स्टाइलिश लुक चाहती हैं। वहीं अगर आप भी शादी के बाद समंदर वाली जगह पर घूमने जा रही हैं तो आप ये स्टाइलिश क्रोशिया ड्रेस इस मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस में जहां आप स्टाइलिश नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी खूबसूरत नजर आएगा।

शादी के बाद समंदर का किनारा घूमने का प्लान है तो बैग में साथ जरूर रखें ये स्टाइलिश ड्रेसेस

स्ट्रैप क्रोशिया ए-लाइन ड्रेस

बीच लुक के लिए आप इस तरह की स्ट्रैप वाली क्रोशिया ए-लाइन ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। यह ड्रेस ब्लैक कलर में है और इस ड्रेस में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा। इस ड्रेस को आप बीच पार्टी या घूमने के दौरान वियर कर सकती हैं। यह ड्रेस आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल जाएंगी जिन्हें आप सस्ते दामों में खरीद कर स्टाइल कर सकती हैं। इस ड्रेस के आप फ्लैट्स या स्लीपर पहन सकती हैं।

ए-लाइन में आप इस तरह की क्रोशिया ड्रेस का भी चुनाव कर सकती हैं और इस तरह की ड्रेस में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा।

स्क्वायर नेक क्रोशियामिडी ड्रेस

न्यू लुक के लिए आप इस तरह की ड्रेस का भी चुनाव कर सकती हैं। यह ड्रेस न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है और इस ड्रेस में आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी। इस ड्रेस को कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीद सकती हैं जो कि आपको 1,000 रुपये में मिल जाएंगी। इस ड्रेस के साथ आप स्नीकर्स वियर कर सकती हैं।

क्रोशिया सॉलिड मेश ड्रेस

अगर आप बीच की किसी पार्टी में शामिल हो रही हैं तो आप इस तरह की क्रोशिया सॉलिड मैक्सी ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस में आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा और इस ड्रेस को आप बीच पार्टी में पहन सकती हैं। इस ड्रेस को आप 700 से 800 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।